सूर्योदय दि. 28-10-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

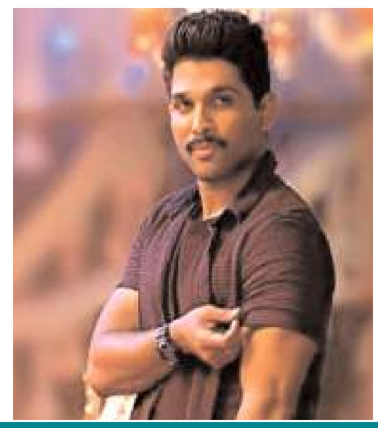

अल्लू अर्जुन की पुष्पा का तीसरा...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 208 नई दिल्ली, गुरूवार 28 अक्टूबर -2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित ₹ मूल्य : 02 रूपए पृष्ठ : 08

पेगासस जासूसी : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लगाई फटकार

साइबर और फॉरेंसिक विशेषज्ञों से जांच के आदेश

नई दिल्ली एजेंसी।

उच्चतम न्यायालय ने पेगासस जासूसी मामले में बुधवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए पूरे मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित कर जांच कराने के आदेश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन और न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. वी. रविंद्रन, पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी आलोक जोशी तथा डॉ संदीप ओबरॉय की अगुवाई में साइबर एवं फॉरेंसिक विशेषज्ञों की तीन सदस्यों वाली एक टेक्निकल कमेटी से जांच कराने का आदेश दिया है।

श्री आलोश जोशी 1976 बैच के आईपीएस अधिकारी है। डॉ. ओबरॉय चेयरमैन सब कमेटी (इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्टैंडरडाइजेशन/ इंटरनेशनल इलेक्ट्रो-टेक्निकल कमिशन/ जॉइंट टेक्निकल) हैं। यह कमेटी अगले आठ सप्ताह के अंदर अपनी अंतरिम रिपोर्ट देगी। पीठ ने कहा है कि

मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन और न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. वी. रविंद्रन, पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी आलोक जोशी तथा डॉ संदीप ओबरॉय की अगुवाई में साइबर एवं फॉरेंसिक विशेषज्ञों की तीन सदस्यों वाली एक टेक्निकल कमेटी से जांच कराने का आदेश दिया है।

टेक्निकल कमेटी के सदस्य के तौर पर आईआईटी बाम्बे के प्रोफेसर डॉ अश्विनी अनिल के अलावा विशेषज्ञ डॉक्टर नवीन कुमार चौधरी और डॉक्टर प्रबाहरण पी. सदस्य होंगे। डॉक्टर चौधरी, (साइबर सिक्योरिटी एंड डिजिटल फॉरेंसिक्स), डीन-नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधीनगर गुजरात), डॉक्टर प्रबाहरण पी., प्रोफेसर (स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग) अमृत विश्व विद्या पीठम, अमृतपुरी, केरल और डॉ अश्विनी अनिल गुमस्ते, इंस्टिट्यूट चेयर एसोसिएट प्रोफेसर (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा, नागरिकों के निजता के अधिकार का हनन नहीं किया जा सकता। उनकी स्वतंत्रता को बरकरार रखने की जरूरत है।शीर्ष अदालत इस मामले में आठ सप्ताह बाद सुनवाई करेगी7 इस बीच कमेटी को अंतरिम रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है।

शीर्ष अदालत ने पेगासस जासूसी मामले में विभिन्न जनहित याचिकाओं की सुनवाई पूरी करने के बाद 13 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। यह मामला इजरायल की एक निजी कंपनी के स्पाइवेयर सॉफ्टवेयर से भारत के प्रमुख पत्रकारों, वकीलों, कई विपक्षी दलों के नेताओं के फोन के माध्यम से कथित तौर पर उसकी जासूसी करने से जुड़ा हुआ है। याचिका में आरोप लगाया गये गए हैं कि अवैध तरीके से लोगों की बातचीत एवं अन्य जानकारी ली गई है। जो उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन है।

दिल्ली के बुजुर्गों को मुफ्त में रामलला के दर्शन करवाएंगे : केजरीवाल

'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना के तहत यात्रा का पूरा खर्च दिल्ली सरकार उठाती है : अरविंद केजरीवाल

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली के सभी बुजुर्गों का श्रवण कुमार बनकर उनको मुफ्त में रामलला के दर्शन करवाएंगे। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में आज हुई बैठक में कैबिनेट ने 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना के तहत बुजुर्गों को अयोध्या ले जाकर रामलला के दर्शन कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस अहम निर्णय की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना को विस्तार देते हुए अब उसमें अयोध्या को भी शामिल कर लिया है।

इस योजना के तहत बुजुर्गों को अयोध्या ले जाकर रामलला के दर्शन करवाने में आने वाला पूरा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। अभी तक हम 35 हजार लोगों को विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करवा चुके हैं। मेरी कोशिश है कि एक तरह से सभी बुजुर्गों का श्रवण कुमार बनकर उनको रामलला के दर्शन करवाऊं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना के चलते पिछले डेढ़-दो साल से यह योजना बंद पड़ी थी, लेकिन अब कोरोना की स्थिति में काफी सुधार है। हमारी कोशिश है कि अगले एक महीने में तीर्थ यात्रा फिर से चालू हो जाए। इसलिए सभी लोग तीर्थ यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री

केजरीवाल कैबिनेट ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत दिल्ली के बुजुर्गों को अयोध्या ले जाकर रामलला के दर्शन कराने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना के तहत बुजुर्गों को अयोध्या ले जाकर रामलला के दर्शन करवाने में आने वाला पूरा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी : अरविंद केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मुझे सभी दिल्ली वासियों को बताते हुए यह खुशी हो रही है कि कैबिनेट की मीटिंग में यह प्रस्ताव मंजूर किया गया है कि जो हमारी दिल्ली की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना है, उसमें अयोध्या को भी शामिल कर लिया गया है। अभी तक इस योजना में जगन्नाथपुरी, उज्जैन, शिरडी, अमृतसर, जम्मू, द्वारका, तिरुपति, रामेश्वरम्, हरिद्वार, मथुरा और बोधगया स्थान शामिल थे। अब इसके अंदर अयोध्या को भी शामिल कर लिया गया है। यानि कि हमारे दिल्ली के जो-जो बुजुर्ग अयोध्या में रामलला के दर्शन करना चाहेंगे, उनको दिल्ली सरकार फ्री में अयोध्या में रामलला के दर्शन करवा कर लाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हमारी मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत दिल्ली के बुजुर्गों के तीर्थ यात्रा का पूरा खर्च दिल्ली सरकार उठाती है। घर से लेकर तीर्थ यात्रा तक जाने और आने का, एसी ट्रेन से लेकर जाया जाता है, वहां पर अच्छे एसी होटल में उनको रूकवाया जाता है, उनको खाने का और उनके स्थानीय यात्रा का पूरा खर्चा दिल्ली सरकार उठाती है। वो बुजुर्ग अगर अपने साथ मदद करने के लिए अपने परिवार के किसी सदस्य को लेकर जाना चाहें, तो उसका भी पूरा खर्चा दिल्ली सरकार उठाती है।

देश में कोविड संक्रमितों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली एजेंसी।

त्योहारी सीजन और मौसम में बदलाव के कारण देश में कोविड संक्रमितों की संख्या में इजाफा हो रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड संक्रमितों के कुल 13451 नए मामले सामने आए हैं जबकि कल

यह संख्या 12428 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि कई राज्यों में कोविड के नए संस्करण के मामले सामने आए हैं। इन पर पूरी नजर रखी जा रही है। लोगों को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नहीं जाने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 55 लाख 89 हजार 124 कोविड टीके दिये गये हैं। आज सुबह सात बजे तक कुल 103 करोड़ 53 लाख 25 हजार 577 हो गया है। आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में पिछले 24 घंटे में 13,451 नए कोविड मामले सामने आए । कल यह आंकड़ा 12428 था। इस समय देश में एक लाख 62 हजार 661 कोविड रोगियों का इलाज चल रहा है। यह 242 दिनों में सबसे कम है। संक्रमण दर 0.48 प्रतिशत है। इसी अवधि में 14,021 कोविड रोगी स्वस्थ हुए हैं।

देश में अभी तीन करोड़ 35 लाख 97 हजार 339 लोग कोविड संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। देश में स्वस्थ होने की दर 98.19 प्रतिशत है। देश भर में पिछले 24 घंटों में कुल 13 लाख पांच हजार 962 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में 60 करोड़ 32 लाख सात हजार 505 कोविड परीक्षण किए हैं। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया आज शाम राज्यों के साथ कोविड टीकाकरण अभियान की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। बैठक में स्थिति का आकलन कर आवश्यक कदम उठाने का फैसला किया जाएगा।

बागेश्वर में पांच बंगाली पर्यटकों की मौत, 15 घायल

बागेश्वर एजेंसी।

मुनस्यारी घूमकर कौसानी लौट रहे वाहन हादसे का शिकार हो गए। शामा के पास फरसाली के बेटोप नाले में पहला वाहन पटल गया, इसके बाद दूसरा वाहन उससे टकरा गया। दुर्घटना में पांच बंगाली पर्यटकों की मौत हो गई है।

दो पर्यटक गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किए गए हैं, जबकि 15 पर्यटक घायल बताए जा रहे हैं। इनमें से सात घायलों का कपकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है।

अन्य को मामूली चोटें बताई जा रही हैं। कपकोट थाना क्षेत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार शामा-तेजम मोटर मार्ग के बेटोप नाले के समीप टेंपो ट्रैवलर संख्या यूके 04 टीए, 1755 मुनस्यारी से शामा-तेजम मोटर मार्ग से कौसानी की ओर आ रहे थी। चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क पर पलट गया। उसके पीछे आ रही दूसरी पर्यटकों की ट्रैवल वाहन संख्या यूके 04 टीए 1376 आगे से

चल रहे वाहन के अचानक सड़क पलटे वाहन से टकरा गई और नाले में जा गिरा। इसमें सवार पांच पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई है और दो गंभीर हालत में हैं। थानाध्यक्ष कपकोट मदन लाल ने बताया कि दो गंभीर घायलों को जिला अस्पताल और सात का उपचार कपकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

मनोज पुत्र दीवान सिंह निवासी कौसानी, जादूनाथ चक्रवर्ती पुत्र स्व. मलिक चक्रवती निवासी आसनसोल, मधुंचंद पत्नी जादूनाथ चक्रवर्ती, आसनसोल, जगनभौय पुत्र स्व. माधव निवासी रानीगंज, आसनसोल, चिनमय वनर्जी पुत्र स्व. विश्वनाथ निवासी आसनसोल, टिपूरवान ऊर्फ समोज पुत्र स्व. नदीन निवासी आसनसोल, दीपन मिता पुत्र स्व. पार्वती चंद्र निवासी रानीगंज, आसनसोल, चालक जितेंद्र कुमार पुत्र मोती राम निवासी आवलाकोट, कोटाबाग। जिला आपदा अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि पांच पर्यटकों की मौत हो गई है।

दो गंभीर घायल हैं। तीन पर्यटकों की हालत सामान्य है और प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। पांच घायलों का उपचार चल रहा है। डाक्टरों के अनुसार फिलहाल वह खतरे से बाहर हैं।

जनरल रावत और जनरल नरवणे ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली एजेंसी।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने आज यहां 75 वें इंफेन्ट्री दिवस पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर शहीदों को श्रद्धांजि अर्पित की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी एक ट्वीट संदेश में इंफेन्ट्री के जवानों तथा अधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं। श्री सिंह ने अपने संदेश में कहा , इंफेन्ट्री दिवस पर इंफेन्ट्री के हमारे वीरों को शुभकामनाएं तथा बधाई। वे असाधारण सहास तथा बहादुरी का प्रतीक हैं। राष्ट्र उनकी सेवा तथा बलिदान के लिए उन्हें नमन करता है। जनरल रावत , जनरल नरवणे और इंफेन्ट्री महानिदेशक तथा अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने बुधवार को यहां इंडिया गेट स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इंफेन्ट्री दिवस सेना की सिख रेजिमेंट की एक पैदल बटालियन द्वारा आजादी के बाद जम्मू कश्मीर में घुसपैठ करने वाले कबाइलियों को खदेड़े जाने के उपलक्ष्य में हर वर्ष 27 अक्टूबर को मनाया जाता है।

इन कबाइलियों ने पाकिस्तानी सेना की मदद और शह से जम्मू कश्मीर पर हमला कर उस पर कब्जा करने की कोशिश की थी लेकिन जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राजा हरि सिंह ने भारत के साथ एक समझौता कर 24 अक्टूबर 1947 में मदद मांगी थी।

सिंघु बार्डर के पास बैरिकेड तोड़ने की कोशिश

अफरातफरी के बीच पुलिस ने हल्का बल का किया प्रयोग

नई दिल्ली एजेंसी।

दिल्ली के बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन से खबर आ रही है कि सिंघु बॉर्डर के पास कुछ लोगों ने बैरिकेड को तोड़ने का प्रयास किया, मगर पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए इसे रोक दिया। हालांकि, इस बीच पुलिस को हल्का बल का प्रयोग करना पड़ा। समचार एजेंसी एएनआइ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि सिंघु बॉर्डर के पास बैरिकेड को तोड़ने का प्रयास किया गया, जिसे सीनियर पुलिस अधिकारियों ने अपनी मुस्तैदी से रोक लिया। इस बीच कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गयी। कुंडली बार्डर पर बीते दिनों पंजाब के दलित युवक लखबीर की नृशंस हत्या कर दी गई थी। निहंगों ने उन पर गुरुग्रंथ की बेदअबी का आरोप लगा कर कार्रवाई की थी। इसके बाद बुधवार यानि आज लखबीर उनकी आत्मा की शांति के लिए स्वजन आज यूपी के लोगों को साथ लेकर कुंडली बार्डर पर उसी जगह हवन करने जा रहे थे जहां पर

लखबीर की हत्या की गई थी। इधर, महापंचायत के चलते आज हत्या वाली जगह पर भारी संख्या में निहंग मौजूद हैं। दोनों पक्षों में टकराव न हो इसलिए स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नरेला में पुलिस की ओर से उन्हें रोक लिया गया। हालांकि, वह सिंघु बार्डर पर जाने के लिए जिद करने लगे। बार-बार समझाने पर भी जब वह नहीं माने तो पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान कुछ लोगों को चोट भी आई है। फिलहाल ये लोग कुंडली बार्डर पर जाने की जिद कर रहे हैं और सड़क पर बैठ गए हैं। बताया जा रहा है कि इनकी संख्या काफी ज्यादा है, इसलिए भारी संख्या में पुलिस के जवान भी मौके पर मौजूद हैं। बता दें कि दिल्ली के कुछ बॉर्डरों पर करीब 11 महीनों से किसान आंदोलन चल रहा है। पंजाब के रहने वाले लखबीर की हत्या निहंगों ने बेअबदी के आरोप में की थी। हत्या से पहले हाथ काट काटा गया था वहीं शरीर पर कई चोटों के निशान भी मिले थे। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था वहीं दो लोगों ने आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद पुलिस की जांच में कई और नाम सामने आए हैं लेकिन अभी तक कोई अन्य गिरफ्तारी नहीं हुई है। लखबीर की हत्या के बाद संयुक्त किसान मोर्चा एवं किसान नेता के द्वारा जिस तरह से निहंगों को कटघरे में खड़ा किया गया था उससे वह खफा था जिसके कारण महापंचायत बुलाई गई थी। इस महापंचायत में यह तय हुआ कि निहंग ना तो किसानों के कहने पर धरना देने आए हैं ना ही किसानों के कहने पर वह धरना छोड़ कर जाएंगे। हालांकि यह भी साफ किया कि आगे भी किसी प्रकार की बेअदबी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

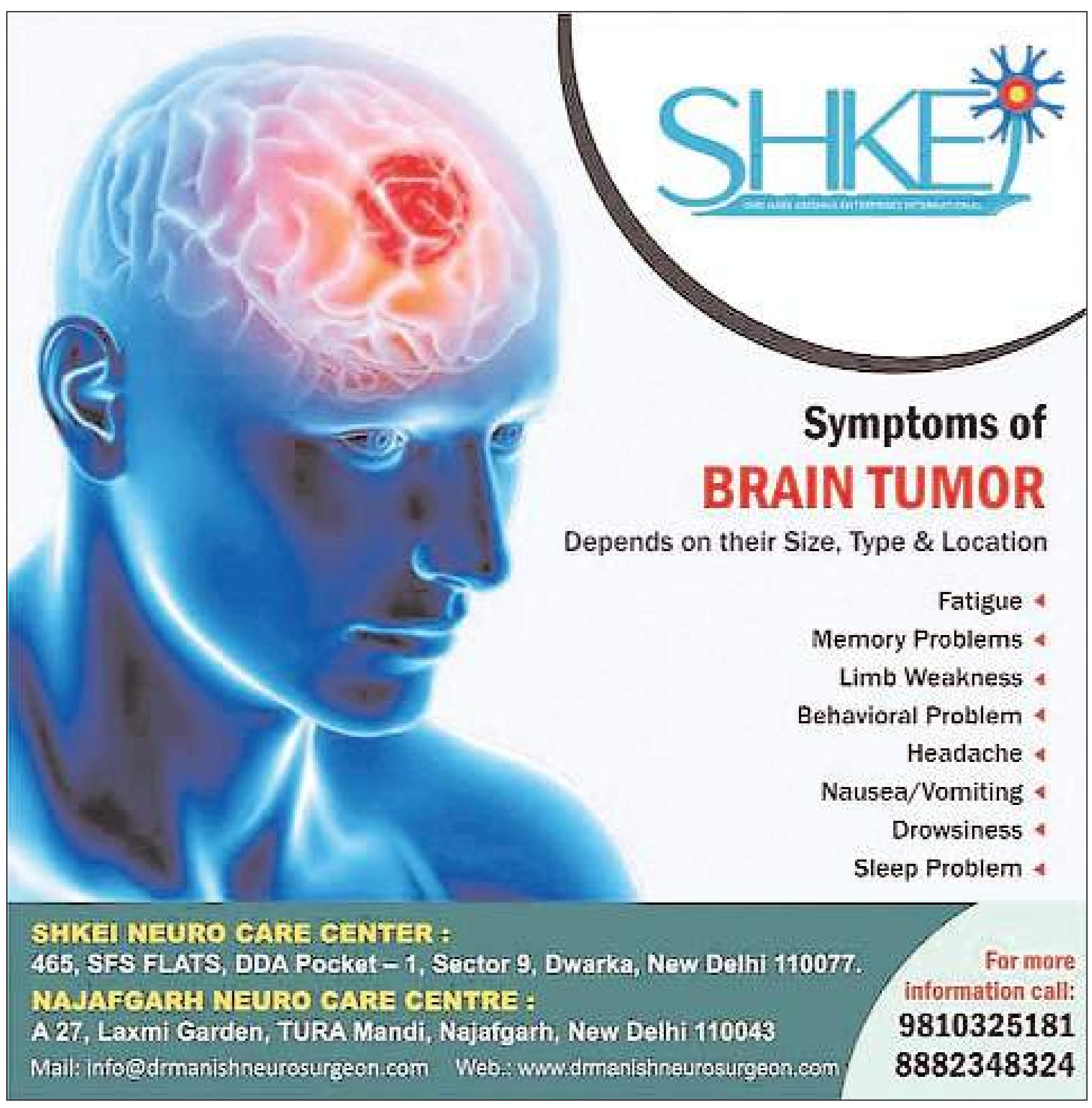

एक नज़र

बांग्लादेश और म्यांमार से मानव तस्करी करने वाले गिरोह का खुलासा, यूपी एटीएस ने चार को दबोचा

लखनऊ (एजेंसी) कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर म्यांमार व बांग्लादेश के नागरिकों को अवैध रूप से भारत लाकर उनके आधार कार्ड व पासपोर्ट बनवा कर मानव तस्करी कर विदेश भेजने वाले गिरोह से संबंधित चार सदस्यों को मंगलवार रात यूपी एटीएस ने मुगलसराय रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। इस गिरोह के सदस्य बांग्लादेशी व म्यांमार के नागरिकों के मुस्लिम को कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर हिंदू नाम में बदल कर पास पोर्ट और आधार कार्ड जारी करवा देते हैं।

साथ ही भारतीय पासपोर्ट के आधार पर विदेश भेजने का काम भी करते हैं। मानव तस्करी के बदले यह लोग उनसे धन की अवैध वसूली भी करते हैं। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि यह अहम सूचना मिली थी कि इस गिरोह का एक व्यक्ति तीन बांग्लादेशी नागरिकों के साथ राजधानी एक्सप्रेस 02314 नई दिल्ली से आ रहे हैं। इस पर एटीएस की फील्ड यूनिट वाराणसी में मंगलवार रात मुगलसराय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर इन लोगों से प्रारंभिक पूछताछ की। इसके बाद संदिग्ध प्रतीत होने पर इन्हें एटीएस मुख्यालय लखनऊ लाया गया।

जहां पूछताछ के बाद इन्हें नियम अनुसार गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए चार लोगों में से एक मिथुन मंडल पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले का निवासी है। अन्य तीन बांग्लादेशी हैं। गत 25 अक्टूबर को सभी दिल्ली से साउथ अफ्रीका के लिए निकलने वाले थे, लेकिन हवाई अड्डे पर इमीग्रेशन चेक में समस्या आ गई। इसलिए उस दौरान पकड़े नहीं जा सके। हालांकि, देर से ही सही सभी आरोपित पुलिस की पकड़ में आ गए।

उप्र के मुजफ्फरनगर में व्यक्ति ने खुद को मारी गोली, मौत

मुजफ्फरनगर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक गांव में 30 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह घटना जिले के मंसूरपुर थाना क्षेत्र के सोटा गांव में मंगलवार की शाम को हुई। घटनास्थल से एक देसी पिस्तौल भी बरामद हुई। अभी तक व्यक्ति के ऐसा करने के पीछे की वजह का पता नहीं चल पाया है। मृतक की पहचान कवींद्र के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

योगी सरकार खाद संकट से किसानों को राहत दे : मायावती

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा अध्यक्ष मायावती ने राज्य की योगी सरकार से किसानों के सम्मुख उपजे खाद संकट से निजात दिलाने की मांग की है।

मायावती ने उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड सहित राज्य के अन्य इलाकों में खाद की कमी से जूझ रहे किसानों का मुद्दा सोमवार को ट्विटर पर उठाते हुये सरकार से इस समस्या का अविलंब समाधान करने की मांग की। उन्होंने कहा, ' पूरे यूपी में और खासकर बुंदेलखंड क्षेत्र में सरकार किसानों को समय से खाद उपलब्ध नहीं करा पा रही है। जिससे पूरे दिन भर लाइन में लगे कई किसानों की मृत्यु हो गयी तथा काफी बीमार भी हो गये।

मायावती ने मांग की, इस अति दुःखद व चिन्तनीय गंभीर समस्या का सरकार तुरन्त समाधान करे। बीएसपी की यह मांग है। ध्यान उल्लेखनीय है कि हाल ही में बुंदेलखंड के ललितपुर जिले में खाद वितरण की लाइन में काफी अधिक समय तक खड़े रहने के कारण एक किसान की मौत हो गई थी। बुंदेलखंड सहित राज्य के विभिन्न इलाकों में रासायनिक खाद की कथित कालाबाजारी के कारण किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है।

कानपुर के घाटमपुर में बड़ा हादसा, मिट्टी का टीले धंसने से नौ लोग दबे, सास-बहू की मौत

कानपुर (एजेंसी) घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के मऊनखत गांव में बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। मिट्टी का टीला ढहने से नौ लोग दब गए, जिसमें सास और बहू की मौत हो गई है। वहीं सात लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरू कराया। घटना के बाद से गांव में अफरा तफरी का माहौल है और भीड़ लगी हुई है।

दीपावली का त्योहार आने पर गांव में लोग घरों की लिपाई-पुताई के लिए खेतों पर बने टीले से मिट्टी खुदाई करते हैं। चिकनी मिट्टी घर लाने के बाद कच्चे मकान की पुताई का काम करते हैं। मऊनखत गांव में भी कुछ ग्रामीण महिलाएं बुधवार की सुबह मिट्टी लाने के लिए खेतों को गई थीं। गांव से कुछ दूरी पर टीला के नीचे छोटी सी सुरंग के अंदर घुसकर मऊनखत की 70 वर्षीय रामादेवी और उनकी 42 वर्षीय बहू अनीता पत्नी दिनेश के अलावा टिकवांपुर के 70 वर्षीय सितलू, 50 वर्षीय सुकीर्ति पत्नी छेदेलाल, 40 वर्षीय राधा पत्नी राजू, 62 वर्षीय भोली देवी पत्नी जगदीश, 35 वर्षीय गुड़िया, 13 साल का अरविंद और 18 साल का चिड्डू मिट्टी खुद रहे थे।

इसी बीच अचानक मिट्टी का टीला ढह गया और सभी महिलाएं मिट्टी के अंदर दब गईं। घटना होते ही चीख पुकार मच गई और गांव से दौड़े ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू किया। काफी मिट्टी हटाने के बाद घायलों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। प्रधान की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में रमा देवी और उनकी बहू अनीता को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बाकी सात लोगों का उपचार शुरू किया गया है। वहीं प्रशासनिक और पुलिस अफसर भी गांव पहुंच गए हैं। मिट्टी के नीचे और लोगों के दबे होने की आशंका पर बुलडोजर से मिट्टी हटवाकर दिखवाया।

छह माह पूर्व विधवा हुई महिला को जेठ कर रहा प्रताड़ित, बना रहा शादी का दबाव

मेरठ (एजेंसी) छह माह पूर्व विधवा हुई महिला पर जेठ शादी का दबाव बना रहा है। उसने जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास भी किया। विरोध करने पर आरोपित ने महिला की पिटाई कर दी। उसने सीओ से मामले में शिकायत की है। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी महिला के मुताबिक बीमारी के चलते उसके पति की छह माह पहले मृत्यु हो गई थी। इसके बाद से जेठ ने शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास भी किया। शिकायत करने पर उसने महिला व उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी।

इसी डर से महिला ने शिकायत नहीं की, जिस वजह से उसके हौसले और बढ़ गए। उसने ज्यादा प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। कई बार महिला ने आरोपित की मां से भी शिकायत की, लेकिन उन्होंने भी आरोपित का पक्ष लेते हुए चुप रहने की सलाह दी। प्रताड़ना बढ़ने पर महिला ने सीओ से मामले की शिकायत की है। सीओ कोतवाली अरविंद चौरसिया ने लिसाड़ी गेट थाना प्रभारी उत्तम सिंह राठौर को मामले की जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मेरठा सरधना थाना क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता ने ससुरालियों पर जलाने का आरोप लगाकर तहरीर दी है।

कस्बे के मोहल्ला मंडी चमारान निवासी सुदेश स्वजन के साथ थाने पहुंची। उसने बताया कि वर्ष 2009 में थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से शादी हुई थी। कुछ समय तक सब सही चला। इसके बाद उसने बेटी को जन्म दिया। इस पर आरोपित पति व सास खुश नहीं रहते थे। आरोप है कि रविवार को पति व सास ने जलाने का प्रयास किया। लेकिन, इस दौरान उसका थोड़ा सा चेहरा झुलस गया। इसके बाद आरोपित बाहर की कुंडी लगाकर फरार हो गए। शोर-शराबा होने पर पड़ोस से दरवाजा खुलवाया और अपने भाई को जानकारी दी। इस पर वह घर आया और उसे ले गया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोंडा में मेडिकल कालेज का किया शिलान्यास, बोले-अगले सत्र से शुरू हो जाएंगे दाखिले

लखनऊ (एजेंसी) जिले के दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपदवासियों को मेडिकल कालेज समेत 1132 करोड़ रुपये के परियोजनाओं की सौगात दी है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ का वितरण किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2022-23 में अगले सत्र में इस मेडिकल कालेज में प्रवेश भी शुरू हो जाएगा। इस संकल्प के साथ हम मेडिकल कालेज का शिलान्यास कर रहे है। अनेक अन्य परियोनाएं हैं जो जनपद गोंडा में शुरू की जा रही हैं।

तमाम प्रकार की परियोजनाएं हैं जो समाज, शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी हैं साथ ही स्किल डेवलपमेंट से भी जुड़ी हैं। ये वही क्षेत्र हैं जहां साढे चार पहले तक कोई योजनाएं नहीं आती थी, जो आती थी वो बंदरबाट हो जाती थीं। यहां पर अब बाढ़ आम जनजीवन को अस्त व्यस्त नहीं कर पा रही है। प्रदेश में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से काम किया जा रहा है। पहले देवीपाटन और गोंडा पहुंचने में तीन साढ़े तीन घंटे लगते थे वहीं अब केवल सवा घंटे लगते हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आतंकवाद के बहाने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। कहा कि कांग्रेस के पाप का परिणाम आंतकवाद है। कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति के कारण कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ा था, लेकिन अब कश्मीर विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। उन्होंने कहा कि जो लोग कहते थी कि हम राम जन्म भूमि पर परिंदे को पर नहीं मारने देंगे। वह आज कह रहे हैं कि भगवान राम हमारे हैं। उन्होंने कहा कि जो हम कहते हैं वो करते भी हैं। कोरोना संक्रमण के दौरान जब परेशानी बढ़ी थी तब विपक्ष का कोई भी नेता जनता की सेवा के लिए आगे नहीं आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी टीम, राज्य में मैने स्वयं अपनी टीम के साथ जनता की सेवा की। विपक्ष सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप करके कोरोना के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर रहा था। एक सप्ताह पूर्व देश ने 100 करोड़ वैक्सीन लगाने की उपलब्धि हासिल की है। ये देश के लिए गौरव की बात है। भारत ने दो वैक्सीन बनाई और उसका प्रयोग

सफल रहा। कोरोना संक्रमण के दौरान 15 माह तक प्रदेश के गरीबों को मुफ्त राशन दिया गया। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि ये वही क्षेत्र हैं जहां साढ़े चार वर्ष पहले योजनाएं आती नहीं थीं और योजना आ भी जाए तो बजट का बंदरबांट कर लिया जाता था। उन्होंने कहा कि यहां एल्गिन-चरसड़ी तटबंध पहले हर बार टूटता था और बजट का बंटवारा हो जाता था। एक सप्ताह पूर्व 7.50 लाख क्यूसेक पानी आने के बावजूद तटबंध सुरक्षित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि नीयत साफ हो तो जनधन की हानि रोकी जा सकती है। पहले मुझे गोंडा से बलरामपुर मां पाटेश्वरी देवी के दर्शन करने के लिए जाने में साढ़े तीन घंटे लगते थे, लेकिन अब सड़कें इतनी बेहतर हो गई हैं कि सिर्फ एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। मुख्यमंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि पहले गोंडा व देवीपाटन मंडल अनाज की कालाबाजारी के लिए बदनाम रहता था। गरीबों के लिए आने वाला अनाज विदेशों में बेचा जाता था। यहां तस्करी के साथ ही विकास के लिए आया धन भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। हर गरीब को प्रत्येक माह राशन व जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने जिले में 11.32 अरब रुपये की 144 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। उन्होंने गोंडा मेडिकल कालेज का नाम महाराजा देवीबक्श सिंह के नाम पर करने की घोषणा की। चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, प्रभारी मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री, सांसद गोंडा कीर्तिवर्धन सिंह, सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह मौजूद रहे। इससे पहले यूपी के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि 2022 में भी कमल खिलने वाला है। विकास की नई तस्वीर में 1132 करोड़ की 144 परियोजनाओं का शिलान्यास करने जा रहे हैं। गंभीर बीमारी होने पर पहले गोरखपुर व लखनऊ जाना पड़ता था। आज आपको गोंडा मेडिकल कालेज मिलने वाला है। एमएसएमई की नई योजनाएं चल रहीं हैं। मक्का के तीन सीएचसी सेंटर तैयार हो रहे हैं। इसमें केवल मक्के से दाने ही नहीं चुनेंगे बल्कि उससे निकलने वाले रेशम से कपड़ा तैयार किया जाएगा। आज गोंडा भी एक प्रकार से उद्यमियों का सेंटर बन रहा है। गोंडा में 361 लोगों को लोन दिया गया है, कारखाने खोल दिए गए हैं। 19000 लाभार्थियों को मुद्रा योजना से जोड़ा गया है जिन्होंने लघु उद्योग शुरू किए हैं। आने वाले समय में बलरामपुर चीनी मिल की जमीन ले चुके हैं।

योगी सरकार हर जनपद में चीनी मिल की स्थापना करने जा रही है। रोड का विकास, स्वास्थ्य सेवा का विकास हर चीज का विकास होता जा रहा है। पिछली सरकारों में गोंडा, बलरामपुर को नेग्लेक्ट किया गया था। समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री ने कहा कि योगी और मोदी जी दोनों ने तय किया है यूपी में रामराज्य लाना है। भगवान श्रीराम ने कहा कि हमको रामराज्य लाने के लिए तपस्या करनी पड़ेगी। भगवान राम ने 14 वर्ष की तपस्या के बाद रामराज्य लाए। रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए।

बदलता गोरखपुर : योगी सरकार में गोरक्षनगरी को मिली एक लाख करोड़ की परियोजनाएं

गोरखपुर (एजेंसी) पिछड़े जिले और माफिया का गढ़ होने की दंश भरी पहचान वाले गोरखपुर ने अपने तेवर बदले तो उसका कलेवर भी बदलने लगा है। चार साल पहले भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तो राप्ती नदी की नगरी में विकास की गंगा बहने लगी। मुख्यमंत्री के गृह जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की नींव मजबूत हुई तो पर्यटन ने सुविधाओं का पंख लगाकर उड़ान भरी।

19 मार्च 2017 से 18 मार्च 2021 तक गोरखपुर के खाते में एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं आ चुकी हैं। गोरखपुर अब पिछड़ा जिला नहीं रहा। औद्योगिक अवस्थापना, सुरक्षा, संपर्क मार्ग और सुगमता देकर ईज आफ डूइंग यानी कारोबारी सुगमता देने के मामले में लंबी छलांग लगाई है। कभी बिलो-50 में रहने वाला जिला अब टाप-15 में है।

जहां कारोबारी पलायन की नौबत थी, वहां विदेशी कंपनियां निवेश कर रही हैं। खाद कारखाना, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे, रामगढ़ ताल परियोजना, जंगल कौड़िया-कालेसर मार्ग जैसी परियोजना मूर्त हो रही हैं। उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन, बिजली-पानी व सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास कर गोरखपुर पूर्वांचल का सितारा बनकर चमकने लगा। अब मेट्रो भी आने वाली है। लोग कह रहे हैं कि गोरखपुर का कलेवर बदल गया। वह नया हो गया है। बौद्ध परिपथ के हृदय स्थल पर मौजूद बाबा गोरखनाथ की धरती गोरखपुर पर्यटन के नजरिए से कितनी उर्वर है, बीते चार वर्ष में इसका अहसास हर किसी ने किया है।

जहां भी पर्यटन विकास की संभावना रही, उसे चमकाया गया या चमकाया जा रहा है। पर्यटन क्षेत्र में सरकार ने 300 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाएं दी। रामगढ़ ताल मरीन ड्राइव सा बनकर पर्यटकों को लुभा रहा है तो वाटर स्पोर्ट्स का रोमांच भी जल्द मिलने वाला है। यही कारण है कि गोरखपुर आने वाले पर्यटकों की संख्या 25 फीसद से अधिक बढ़ी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नगर निगम ने 9.50 अरब से ज्यादा की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास की तैयारी शुरू कर दी है। इनमें 6.50 अरब रुपये सीवर लाइन पर खर्च होने जा रहे हैं। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय क्षेत्र में सीवर लाइनों का लोकार्पण होगा तो सूरजकुंड क्षेत्र में दो अरब 30 करोड़ रुपये से सीवर लाइन बिछाए जाने के कार्य का शिलान्यास होगा।

सूरजकुंड क्षेत्र में 10 एमएलडी का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। इससे इस इलाके के सीवर का निस्तारण तो हो ही जाएगा राप्ती और रोहिन नदियों में गंदा पानी नहीं जा पाएगा। पर्यटन विभाग ने पांच प्राचीन मंदिरों को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। इसके लिए विभाग करीब आठ करोड़ की लागत का प्रस्ताव तैयार करा रहा है। पर्यटन निदेशालय ने इसे लेकर क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय को निर्देशित किया है। कार्यालय ने आगणन और प्रस्ताव तैयार करने के लिए कार्यदायी संस्था को जिम्मेदारी सौंप दी है। प्रस्ताव जिलाधिकारी के माध्यम से भेजने के लिए कहा गया है। जीडीए अवस्थापना निधि से शहर की तीन और सीसी सड़कों व आरसीसी नालियों का निर्माण करेगा। मंडलायुक्त/जीडीए अध्यक्ष रवि कुमार एनजी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई। इनपर करीब 4.87 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बागपत के बड़ौत में सड़क बना रहे मजदूरों को लाठी-डंडों से दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

बागपत (एजेंसी) बड़ौत शहर के दिलीप बिहार में सड़क निर्माण के दौरान सड़क पर मलबा डाल रहे दो मजदूरों पर चार लोगों ने हमला बोल दिया। आरोपितों ने दोनों पीड़ितों को लाठी-डंडों से दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पीड़ितों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। आरोपितों ने दोनों मजदूरों को जान से मारने की धमकी भी दी है। एक मजदूर की तहरीर पर चारों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है। दिलीप बिहार के रहने वाले अजयवीर सिंह ने बताया कि दिलीप बिहार की सड़क खराब थी, जिसके कारण वहां मरम्मत का कार्य हो रहा है। वह मजदूरी करता है। उसके साथ आकाश भी सड़क पर मलबा डाल रहा था।

उसी दौरान आकाश, निकी पुत्रगण पप्पू उर्फ पोपी, मनीष व सिद्धार्थ पुत्र भोला निवासी देव नगर वहां आए और मलबा डालने के लिए मना करने लगे। उसने चारों आरोपितों से सरकारी काम का हवाला देते हुए कार्य में बाधा न पहुंचाने के लिए कहा तो इतना सुनते ही आरोपितों ने गाली देते हुए उनके साथ मारपीट कर दी और लाठी-डंडों से दौड़ा दौड़ा कर पीटा। घटना के बाद आरोपित फरार हो गए। इस दौरान सड़क मरम्मत का काम रुक गया। घटना के बाद वह कोतवाली पहुंचे, जिसके बाद पुलिस ने दोनों का सीएचसी में उपचार कराया। एसओ रवि रत्न सिंह ने बताया कि अजयवीर सिंह की तहरीर पर चारों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। सड़क मरम्मतीकरण का काम शुरू करा दिया गया। बागपत। बड़ौत में ऊर्जा निगम विद्युत वितरण खंड द्वितीय के कार्यालय में एक सप्ताह से अधिशासी अभियंता और सहायक लेखाकार के बीच घमासान मचा है, जिसमें कर्मचारी तमाशबीन बने हुए हैं।

कार्यालय में हर रोज होने वाला हंगामा इतना बढ़ गया कि अब बात कार्यालय से बाहर निकल आई है। अधिशासी अभियंता राजेश कुमार ने सहायक लेखाकार पर आरोप है कि वह कार्यालय से गायब रहते हैं और मनमर्जी के अनुसार काम करते हैं। वह नियम विरुद्ध तैनात है। वह काम करने की कहते हैं तो कर्मचारियों के सामने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। उन्होंने पूरे प्रकरण की शिकायत निगम के एसई और एमडी से की तो सहायक लेखाकार बौखला गए और उनके कक्ष में घुसकर उन्हें भुगत लेने तक की धमकी दे दी।

सावधान ! दीपावली से पहले सराफा बाजार में सक्रिय हुए टप्पेबाज, नकली हार थमा कर रहे लाखों की ठगी

औरैया (एजेंसी) धनतेरस को लेकर सराफा दुकानों पर भीड़भाड़ बढ़ने लगी है। ऐसे में टप्पेबाज का गिरोह भी जिले में सक्रिय हो चुका है, जो मौका पाकर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हैं। सदर कोतवाली क्षेत्र के फफूंद तिराहा स्थित एक ज्वैलरी की दुकान में बुधवार दोपहर कुछ ऐसा ही हुआ। एक टप्पेबाज ने सराफ से सवा लाख रुपये की टप्पेबाजी कर दी। आर्टिफिशियल सोने की चेन व हार के बदले रुपये लेकर फरार हो गया। जानकारी होने पर सर्राफ के होश उड़ गए। तहरीर देकर उसने पुलिस को पूरी बात बताई। घटना बुधवार दोपहर की है। सर्राफ रमेश की फफूंद तिराहा के पास ज्वैलरी की दुकान है।

दुकान पर कुछ ग्राहक बैठे हुए थे। इसी दौरान एक युवक आया और सोने का हार व चेन बेचने की बात कही।भीड़ का फायदा उठा युवक टप्पेबाजी कर दुकान से भाग निकला। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आपबीती बताई। उसने बताया कि सवा लाख रुपये नकद लेकर युवक भाग निकला। सोने का हार व दो चेन लेकर युवक आया था। पुलिस दुकान में लगे सीसीटीवी के जरिये टप्पेबाज युवक की पहचान करने में जुटी है।

सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय पांडेय का कहना है कि पीड़ित की ओर से मिली तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। जैसा कि सराफ का कहना है कि एक युवक उसकी दुकान पर आया था। फिलहाल, सीसीटीवी फुटेज की जरिये टप्पेबाज को पकड़ा जा सकेगा।

प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव बोले, उनकी सरकार बनी तो बीए पास को मिलेगी सरकारी नौकरी

मुरादाबाद (एजेंसी) प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव की सामाजिक परिवर्तन रथ यात्रा बुधवार को रामपुर जनपद के मिलक पहुंची। यहां कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

कहा कि सामाजिक परिवर्तन रथ यात्रा 12 अक्टूबर से शुरू हुई है और यह सत्ता परिवर्तन तक जारी रहेगी। भाजपा सरकार ने जो वादे किए थे वह पूरे नहीं किए। जनता परेशान है। बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। पूंजीपतियों के काम किए जा रहे हैं। निजीकरण के नाम पर सरकारी संपत्तियों को बेचा जा रहा है। प्रसपा अध्यक्ष ने कहा कि किसानों के ऊपर कृषि कानून थोप दिए। किसान

सड़क पर बैठा है अपना हक मांग रहा है। लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस के दाम आसमान को छू रहे हैं। बिजली का बिल भी बढ़ा दिया गया है। हमारी सरकार आने पर 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। बीए पास करने वाले छात्र छात्राओं को कानून बनाकर प्रत्येक परिवार के एक छात्र को सरकारी नौकरी देंगे। जिस परिवार की बीए पास लड़की को नौकरी नहीं मिलेगी। उसे रोजगार के लिए सरकार के बजट से पांच लाख रुपए देंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अडानी और अंबानी जैसे पूजीपतियों को बढ़ावा देती रही है। जनता महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से परेशान है। अडानी को कौन जानता था? आज वह एशिया का नंबर दो पूंजीपति है और अंबानी नंबर एक पूंजीपति है। इसलिए भाजपा को हटाना है। हमने छोटी-छोटी पार्टियों से कहा है कि वह गठबंधन कर ले। चाहे वह समान विचार या सेकुलर पार्टियां हों। मैंने तो समाजवादी पार्टी से भी कहा, गठबंधन कर लीजिए। भाजपा को सत्ता से हटाने में आसानी होगी।

भाजपा के शासन में तो सरकार के खिलाफ बोलने वालों को जेल में डाल दिया जाता है या फिर बुलडोजर चला देते हैं। इस सरकार में मेहनत की कमाई पर बुलडोजर चलता है। बदले की भावना से झूठे मुकदमे लिखे जा रहे हैं। गरीब किसान को कोई लाभ नहीं है। इसलिए भाजपा को हटाना बहुत जरूरी है। इस दौरान फरहत हसन खान, कपिल देव सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मऊ में बोले सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर - अखिलेश यादव यूपी के अगले मुख्यमंत्री

मऊ (एजेंसी) सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के 19वें स्थापना दिवस पर आज बुधवार को रतनपुरा ब्लाक के हलधरपुर (ढ़ोलवन) सुभासपा व सपा की मित्रता का गवाह बन रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-34 के किनारे स्थित मैदान में आयोजित जनसभा की तैयारियां लगभग एक दिन पूर्व ही पूर्ण हो चुकी थीं।

सुबह नौ बजे के बाद से आयोजन शुरू हुआ तो मंच पर पदाधिकारियों का संबोधन शुरू हुआ। मंच से एक एक कर महापंचायत के बारे में जनता को संबोधित करते हुए आगामी चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं को जूझने के लिए तैयार रहने की अपील की गई। दोपहर 12.25 बजे समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर एक साथ आयोजन स्थल पर पहुंचे तो भीड़ ने नेताद्वय का जोरदार नारों से स्वागत किया। इससे पूर्व दोनों ही नेता एक साथ वाराणसी में बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचे तो कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वहीं दोपहर 2.30 बजे जनसभा खत्म हो गई। अखिलेश यादव ने सुभासपा के 19 वें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर मंच से जनता को संबोधित किया। कहा कि -पूरे मैदान में चारो तरफ पीला और हरा रंग (झंडा) दिख रहा है। यह देख दिल्ली और लखनऊ में बैठे लोग लाल पीला हो रहे होंगे। यह ओम प्रकाश राजभर जी अच्छी तरह से जान रहे हैं। जिस तरह से बंगाल में खेल हुआ है उसी तरह प्रदेश में खदेड़ा होगा। प्रदेश में अब जो गठबंधन हुआ है उससे भाजपा का सफाया होगा। भाजपा ने जो सपने दिखाए, झूठ बोलकर जनता को बरगलाया। अब झूठ बोलने वालों की कोई सजिश दलित और पिछड़े वर्ग वालों पर सफल नहीं होगा। कोरोना संक्रमण काल में गरीबों को अनाथ छोड़ दिया गया। अब मेडिकल कालेज खोले गए। उद्घाटन कर दिया गया। पर्दा हटा तो अंदर कुछ भी मौजूद नहीं। अब लखनऊ वाले दिल्ली वालों के लिए और दिल्ली वाले प्रदेश के लिए झूठ बोल रहे हैं। मऊ में जनसभा को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मैं अगले मुख्यमंत्री को लेकर आया हूं। सरकार बनते ही गरीबों का बिजली बिल माफ होगा। दुनिया के सबसे बडे झूठे पीएम नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ हैं। अब उत्तर प्रदेश से योगी की विदाई तय है। हर तरफ महंगाई बढ़ी है। पश्चिम बंगाल के बाद अब उत्तर प्रदेश में खेला होगा। प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि योगी जी सुन लीजिए, मैं सत्ता पर बैठाना जानता हूं तो उतारना भी जानता हूं। सरकारी कर्मचारियों की समस्या को उठाते हुए कहा कि प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों संग वेतन की विसंगतियों को दूर करना है और पुलिस कर्मियों की ड्यूटी को आठ घंटे करने के साथ सप्ताह में एक दिन का अवकाश भी दिया जाएगा। भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि - कल के बाद भाजपा अफवाह उड़ाना शुरू कर देगी कि ओम प्रकाश राजभर 500 या एक हजार करोड़ लेकर बिक गया। लेकिन, इस पर विश्वास करने की जरूरत नहीं है। कहा कि अब हमारी पार्टी सुभासपा ने तय कर लिया है कि अगले मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के अखिलेश यादव ही होंगे। कहा कि इस समय हिन्दू नहीं देश ,संविधान, सरकारी संपत्ति खतरे में है। हम अखिलेश यादव के साथ सरकार बनाकर इसे बचाएंगे। पीएम नरेन्द्र मोदी कहते थे कि देश बिकने नही दूंगा और इसे धीरे-धीरे इसे बेच रहे हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को ट्वीट किया और लिखा कि- ग़रीबों, दमितों, शोषितों, वंचितों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, मज़दूरों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, शिक्षकों, कारोबारियों, नौकरीपेशा व पेशेवरों के अधिकारों की रक्षा के लिए झूठी व फ़रेबी भाजपा-सत्ता के ख़िलाफ़ 'मऊ का हलधरपुर मैदान एक राजनीतिक महायुद्ध का कुरुक्षेत्र साबित होगा'। आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का उत्साह सातवें आसमान पर बुधवार सुबह से ही नजर आया। मंगलवार को पूरे दिन तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया तो बुधवार सुबह से ही कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जमावड़ा रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के होने से सपाइयों का भी आयोजन में जमावड़ा रहा। यहां से आगामी विधानसभा चुनाव में नए गठजोड़ के पैगाम देने की तैयारी चल रही है। आयोजन स्थल पर स्वयं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर छोटी-बड़ी हर समस्या के निराकरण के लिए कार्यकर्ताओं को लगातार उत्साहित कर रहे हैं। महा पंचायत की तैयारियों के बाबत उन्होंने बताया कि रैली में लगभग एक लाख लोगों के शामिल हो रहे हैं। इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता रात-दिन एक कर रैली स्थल की तैयारियों को अंतिम रूप देने तथा भ्रमण कर प्रचार-प्रसार में लगे हैं।

यहां दो हेलीपैडों का निर्माण अंतिम दौर में है। यहां पर लोगों के बैठने के लिए लगभग 35 हजार से भी अधिक कुर्सियां लगाई गई हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों को लाने के लिए लगभग 13 हजार गाड़ियों की बुकिंग हो चुकी है। जैसा कि पूर्व निर्धारित है इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा मुखिया अखिलेश यादव हैं। आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर और सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव की राजनैतिक मित्रता का भी यह आयोजन साक्षी बनेगा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के व्यक्तिगत प्रयासों से दिल्ली में छठ-पूजा के सार्वजानिक आयोजन की मिली मंजूरी

आस्था का महापर्व है छठ, कोरोना प्रोटोकॉल के साथ चयनित छठ घाटों पर दिल्ली के लोग मना सकेंगे छठ : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

दिल्ली में 1 नवम्बर से सभी कक्षाओं के लिए खुल जाएंगे स्कूल, सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से होगा पालन, स्कूलों के लिए जारी करेंगे SOP : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

पेरेंट्स की मंजूरी के बिना बच्चों को स्कूल आने के लिए नहीं किया जाएगा बाध्य, ब्लेंडेड मोड में ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन टीचिंग रहेगी जारी : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल के व्यक्तिगत प्रयास के बाद दिल्ली में आस्था के पर्व, छठ महापर्व के सार्वजानिक आयोजन को मंजूरी मिल गई पिछले 1 महीने से मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल उपराज्यपाल व केंद्र सरकार के मंत्रियों से लगातार दिल्ली में छठ पूजा के सार्वजानिक आयोजन को लेकर अपील कर रहे थे। उन्होंने उप राज्यपाल को इस संबंध में पत्र भी लिखा था। उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने भी केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर छठ महापर्व के सार्वजानिक आयोजन को अनुमति देने का आग्रह किया था।

इस बाबत उपराज्यपाल की अध्यक्षता में बुधवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में ये फैसला लिया गया कि दिल्ली में कोरोना के हालात काबू में है। पिछले कई हफ़्तों से दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 0.1% से भी कम आ रही है। इसे देखते हुए दिल्ली में निर्धारित छठ घाटों पर कोरोना प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करते हुए छठ-पूजा के सार्वजानिक आयोजन किया जा सकेगा। बैठक में ये निर्णय भी लिया गया कि दिल्ली में 1 नवम्बर से सभी क्लासेज के लिए स्कूल खोले जा सकेंगे। पहले चरण में 9वीं से 12वीं तक के स्कूलों को खोलने की अनुमति दी गई थी। अब नर्सरी से आठवीं तक के स्कूल भी खुल सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस-कांफ्रेंस के माध्यम से इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोई भी स्कूल पेरेंट्स की मंजूरी के बिना बच्चों को स्कूल आने के लिए बाध्य नहीं करेगा, ब्लेंडेड मोड में ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन क्लास जारी रहेगी। साथ स्कूल 50% की क्षमता के साथ ही खुलेंगे। दिल्ली सरकार पिछले 1 महीने से दिल्ली में छठ पूजा के सार्वजानिक आयोजन के लिए उपराज्यपाल और केंद्र सरकार से मंजूरी मांग रही थी। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने पत्र लिख कर उपराज्यपाल से छठ पूजा के सार्वजानिक आयोजन को अनुमति देने का आग्रह किया था, उपमुख्यमंत्री ने भी केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर छठ के आयोजन की अनुमति मांगी थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में सभी कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करते हुए निर्धारित छठ घाटों पर छठ पूजा का सार्वजानिक आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही एक SOP जारी किया जाएगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि आस्था का पर्व छठ महापर्व बहुत बड़ा त्यौहार है इसलिए बेहद सावधानी के साथ इसका आयोजन किया जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों के बंद रहने से पिछले 1.5 साल से ज्यादा से बच्चों की पढ़ाई का काफी नुकसान हुआ है। जिसकी भरपाई करना काफी मुश्किल है। साथ ही अब दिल्ली में कोरोना के मामले भी नियंत्रण में है इसलिए ये निर्णय लिया गया है कि 1 नवम्बर से सोशल डिस्टेंसिंग और कोरोना संबंधी सभी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अब दिल्ली में नर्सरी से 8वीं तक के स्कूल खोल दिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को स्कूलों में बुलाने से पहले उनके पेरेंट्स की मंजूरी ली जाएगी। पेरेंट्स की मंजूरी न मिलने पर बच्चों को स्कूल में बुलाने पर बाध्य नहीं किया जाएगा।

साथ ही सभी शैक्षणिक गतिविधियां ब्लेंडेड तरीके से ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी चलती रहेंगी। स्कूलों में 50% की क्षमता के साथ बच्चों को बुलाया जाएगा। जल्द ही सरकार द्वारा इन स्कूलों को खोलने से संबंधी SOP जारी कर दिया जायगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सभी स्कूलों को ये सुनिश्चित करना होगा कि उनके सभी टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ पूरी तरह से वैक्सीनेटेड हो। उन्होंने साझा किया कि दिल्ली के स्कूलों के लगभग 98% टीचर ऐसे है जिन्हें वैक्सीन की कम से कम 1 डोज़ लग चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने तिब्बिया कॉलेज एवं अस्पताल में 100 बेड के मेक-शिफ्ट अस्पताल का किया शिलान्यास

तिब्बिया कॉलेज को अत्याधुनिक विश्व स्तरीय संस्थान बनाने और उसके पुनर्विकास के लिए काम करेगी दिल्ली सरकार : सत्येन्द्र जैन

आयुर्वेद विज्ञान को और मजबूती प्रदान करने के लिए अच्छे अनुसंधान की आवश्यकता : सत्येन्द्र जैन

धर्मेन्द्र सिंह लोधी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को दिल्ली सरकार द्वारा बनाए जा रहे 100 बेड के मेक-शिफ्ट अस्पताल का शिलान्यास किया। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि इस अस्पताल में 17 आईसीयू बेड और 83 ऑक्सीजन बेड बनाए जाएंगे। मेक-शिफ्ट अस्पताल कोरोना के विरुद्ध हमारी इस लड़ाई में काफी कारगर साबित होगा। जल्द ही अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज और अस्पताल किसी अमृत कलश से कम नहीं है। यह एक ऐसा ऐतिहासिक कॉलेज है, जहां एक ही छत के नीचे न केवल आयुर्वेदिक, बल्कि यूनानी चिकित्सा पद्धति की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं उपचार किया जाता है। इस दौरान उन्होंने जीवन शैली संबंधी विकारों को रोकने में आयुर्वेदिक सिद्धांतों के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को आयुर्वेद विज्ञान को मजबूती देने के लिए अनुसंधान करने का सुझाव दिया। साथ ही, उन्होंने तिब्बिया कॉलेज को अत्याधुनिक विश्व स्तरीय संस्थान बनाने और उसके पुनर्विकास का खाका तैयार करने की भी घोषणा की। स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने कहा, ''कोरोना की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली ही नहीं, देश भर के अस्पतालों में बेड कम पड़ रहे थे और काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

भविष्य में इन परेशानियों से बचने के लिए दिल्ली सरकार अपनी तैयारी में लगी है, ताकि आम आदमी को हर मुश्किल से बचाया जा सके।'' 100 बेड का मेक-शिफ्ट हॉस्पिटल के इसी परिसर में तैयार किया जाएगा, जिसका शिलान्यास आज स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन द्वारा किया गया। इसमें 17 आईसीयू बेड और 83 ऑक्सीजन बेड का वार्ड शामिल हैं। इसे अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से बनाया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन ने आयुष निदेशालय को आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में उनके योगदान के लिए बधाई दी और कोरोना की पहली लहर के दौरान उनके बहुमूल्य योगदान के लिए तिब्बिया कॉलेज और अस्पताल की सराहना की। इस अवसर पर प्रिवेंटिव स्वास्थ्य सेवा पर जोर दिया गया। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आयुष विभाग ने प्रिवेंटिव स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में पूरी दुनिया को आकर्षित किया है।

इस कठिन समय में हमारी अपनी भारतीय चिकित्सा पद्धति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन पद्धतियों को अपनाने से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने सभी दिल्लीवासियों से आग्रह किया कि आयुष पद्धतियों और उनके द्वारा बताए गए दिशानिर्देशों का नियमित रूप से पालन करें। सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता को समुदाय के जिम्मेदार सदस्यों के रूप में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए इन पद्धतियों के गुणों के बारे में बताना चाहिए और अपनाना चाहिए। दिल्ली सरकार के अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ आयुष पद्धति को एकीकृत कर सकते हैं। वास्तव में इन पद्धतियों में काम करने की बहुत गुंजाइश और संभावनाएं हैं। हमें उन अवसरों पर ध्यान देने की जरूरत है। हमें आयुष पद्धतियों को अपनी जीवन शैली में पूरी तरह उतार लेना चाहिए। आयुर्वेद केवल एक विज्ञान नहीं, बल्कि जीवन जीने का ज्ञान है।

रेलवे ने चलाई हाईब्रिड एक्सप्रेस नाम से विशेष मालगाड़ी, दिल्ली समेत कई राज्यों के व्यापारियों को मिलेगी राहत

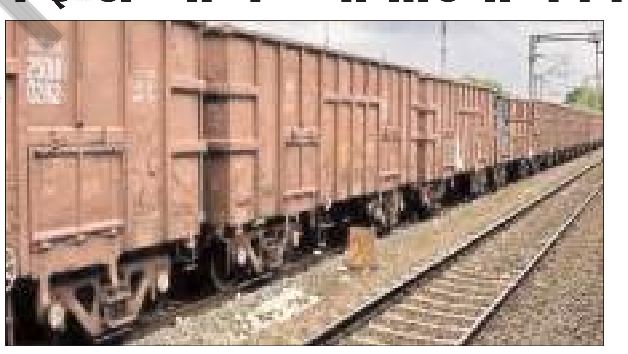

नई दिल्ली (एजेंसी) रेल मार्ग से माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली मंडल ने संचय माला हाईब्रिड एक्सप्रेस नाम से विशेष मालगाड़ी का संचालन शुरू किया है। मंडल से इस तरह की दूसरी विशेष मालगाड़ी दक्षिण भारत के लिए रवाना की गई है।

इससे इस्पात के उत्पाद व अनाज भेजे गए हैं। उत्तर रेलवे से पहली बार मालगाड़ी के जरिए इस्पात के उत्पाद कहीं भेजे गए हैं। इस विशेष मालगाड़ी में अलग-अलग प्रकृति के सामान एक साथ भेजने की सुविधा है। इस तरह से एक मालगाड़ी में एक ही प्रकार के सामान भेजने की बाध्यता खत्म होने से छोटे व्यापारियों को दूसरी जगह सामान भेजने में आसानी होगी। परंपरागत मालगाड़ी में एक ही तरह के वैगन लगाए जाते हैं। सभी वैगन में एक ही तरह का सामान लादा जाता है। यानी अन्नाज, कोयला, सीमेंट, सीमेंट, खाद, उपकरण, वाहन आदि के लिए अलग-अलग मालगाड़ी चलाई जाती है, जिससे छोटे व्यापारियों को परेशानी होती थी। विशेष मालगाड़ी में विभिन्न प्रकार के वैगन (मालगाड़ी का डब्बा) लगाए जाते हैं। बारिश से खराब होने वाले सामान जैसे अन्नाज, सीमेंट आदि की ढुलाई के लिए चारो तरफ से बंद वैगन का इस्तेमाल किया जाता है। कोयला व अन्य खनिज पदार्थ ढोने के लिए ऊपर से खुला हुआ और वाहन, बड़े उपकरण आदि के लिए तीन तरफ से खुला हुआ वैगन प्रयोग में लाया जाता है। इन तीनों प्रकार के वैगन को एक ही मालगाड़ी में लगाकर संचय माला हाईब्रिड एक्सप्रेस बनाया गया है। इस तरह की पहली विशेष मालगाड़ी इसी माह असम भेजी गई थी। दूसरी मालगाड़ी तुगलकाबाद और शाहबाद मारकंडा से दक्षिण रेलवे के मद्रास मंडल में इस्पात के उत्पाद व अनाज भेजे गए हैं। यह मालगाड़ी 24 सौ से ज्यादा दूरी तय करेगी और इससे रेलवे को 81.50 लाख का राजस्व मिला है। वहीं, उत्तर रेलवे के मुख्यालय बडौदा हाउस में सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने रेल कर्मियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में मुख्य सतर्कता आयुक्त सुरेश एन पटेल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान रेलवे के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि आक्सीजन एक्सप्रेस चलाकर पूरे देश में आक्सीजन की कमी दूर की गई। इसी तरह से कई और कदम उठाकर कोरोना से लड़ाई में मदद की गई। उन्होंने रेलवे द्वारा लंबित सतर्कता मामलों को निर्धारित समय के भीतर निपटाने पर जोर दिया। पूरे सप्ताह अखंडता के साथ आत्मनिर्भरता थीम पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मोटर साइकिल पर 4 साल तक के बच्चे को पहनना होगा हेलमेट

नई दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम (एजेंसी) दिल्ली-एनसीआर में समेत समूचे देशभर के लोग अगर बच्चे के साथ दुपहिया वाहनों पर सफर करते हैं तो सतर्क हो जाएं, क्योंकि मोटर साइकिल पर अब 9 माह से ऊपर की आयु के बच्चे को हेलमेट पहनना होगा। इतना ही नहीं 9 माह से चार साल तक के बच्चे को हेलमेट के साथ मोटर साइकिल चला रहे व्यक्ति को बच्चे को अपने साथ रखने के लिए अपने और बच्चे के बीच बेल्ट भी लगाकर रखनी होगी। इतना ही नहीं, बच्चे का हेलमेट भी भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानदंड के अनुसार पहनना होगा।

इसके अनुसार हेलमेट ऐसा होना चाहिए जो बच्चे के सिर पर ठीक से फिट बैठता हो। इसके अलावा जब चार साल तक की उम्र का बच्चा मोटर साइकिल पर बैठा हो तब मोटर साइकिल की गति सीमा भी 40 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक नहीं होनी चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस या उपयुक्त संस्था चालान भी कर सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने विभिन्न रोड सेफ्टी संगठनों के सुझावों पर मोटर वाहन अधिनियम में यह संशोधन मसौदा स्वीकार करते हुए इस बाबत संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रोड सेफ्टी आरगेनाइजेशन के उपप्रधान एसके शर्मा का कहना है कि बच्चे की सुरक्षा के लिए यह प्रविधान जरूरी हैं। इसके अलावा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने दुपहिया वाहनों पर बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर एक ओर प्रस्ताव भी तैयार किया है।

इसके तहत अगर किसी बाइक यानी मोटरसाइकिल पर पीछे चार साल से कम उम्र का बच्चा बैठा हो तो उसकी गति सीमा 40 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि 9 महीने से लेकर 4 साल की उम्र तक का बच्चा अगर पीछे बैठा है तो वह क्रैश हेलमेट पहना हो। यही नहीं, चार साल से कम उम्र के बच्चे को मोटरसाइकिल के चालक से जोड़ने के लिए सेफ्टी हार्नेस का इस्तेमाल करना होगा। सेफ्टी हार्नेस की मदद से बच्चे का ऊपरी धड़ चालक से सुरक्षित रूप से जुड़ा होगा।

मतदाता सूची में शुरू होने जा रहा है संशोधन, एक नवंबर से ऐसे करें आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी) एक नवंबर से मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। इसके लिए दक्षिण-पश्चिमी व पश्चिमी दोनों ही जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। आगामी निगम चुनाव को मद्देनजर रखते हुए इस बार मतदाता सूची में होने वाले संशोधन काफी महत्वपूर्ण है। विशेषकर कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान मृत हुए लोगों का मतदाता सूची से नाम हटाकर सूची को अपडेट करना प्रशासन के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। अधिकारियों के मुताबिक मृत लोगों के साथ कोरोना महामारी में कोई लोग अपने गांव की तरफ पलायन कर चुके है, ऐसे लोगों का नाम भी मतदाता सूची से हटाया जाएगा।

जहां तक नए मतदाताओं को सूची से जोड़ने की बात है, उसके लिए आनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। हर साल 14 जनवरी को संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित की जाती है। इसके लिए इस वर्ष 1 से 30 नवंबर तक मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। जो भी मतदाता अपने मतदाता पहचान पत्र में संशोधन कराना चाहते है या नाम जुड़वाने के लिए योग्य है तो वे आनलाइन व आफलाइन माध्यम से आवेदन दे सकते हैं।

जो मतदाता एक जनवरी 2022 को 18 वर्ष के होने जा रहे हैं या 18 वर्ष के हो चुके हैं वे मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन दें। इसके अलावा जिनको भी मतदाता पहचान पत्र में अपने नाम, घर के पता, पिता या पति का नाम व जन्म तिथि में संशोधन कराना है तो वे भी आवेदन दे सकते है। इसके साथ ही जो मतदाता अब नहीं रहे उनके स्वजन आगे आकर उनका नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए फार्म भरें।

फागिंग मशीन लेकर सदन पहुंची कांग्रेस, वेतन असमानता को लेकर उठाई कर्मचारियों की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी) दक्षिणी निगम की सदन की बैठक में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। इसके चलते बैठक को स्थगित करना तक पड़ गया।

कांग्रेस ने जहां फागिंग मशीन सदन में ले जाकर फागिंग करने वाले कर्मचारियों के कम वेतन का मुद्दा उठाया तो वहीं आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा पार्षद के पति की अधिकारियों से बदसलूकी का मुद्दा उठाते हुए इसके बैनर लहरा दिए। हंगामा होते देख महापौर मुकेश सुर्यान ने पहले जहां बैठक को दस मिनट के लिए बाद में अगली बैठक तक के लिए स्थगित कर दिया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि हंगामे से पहले शोक प्रस्ताव के साथ निगम से जुड़े कार्यों को मंजूरी देने का कार्य पूरा हो चुका था। हंगामा करने वाले कांग्रेल दल के नेता अभिषेक दत्त ने फागिंग मशीन लाकर सदन में घुसने का प्रयास किया, लेकिन जब सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक लिया तो वह सुरक्षा कर्मियों से हाथ छुड़ाकर दर्शक दीर्घा में पहुंच गए। यहां पर उन्होंने महापौर से फागिंग करने वाले फील्ड वर्कर कर्मचारियों का वेतन कम होने को लेकर जानकारी मांगी। महापौर ने बिना इजाजत के लिए की गई कार्रवाई को गलत बताया। तो दत्त ने दर्शक दीर्घा से कांग्रेस पार्षदों के हाथ में फागिंग मशीन दे दी। इसे लेकर सुरक्षा कर्मियों और कांग्रेस पार्षदों के बीच जमकर धक्का-

मुक्की हुई। हालांकि बैठक स्थगित होने से कुछ ही क्षण पूर्व अभिषेक दत्त सदन में पहुंच गए। दत्त का कहना था उत्तरी निगम में फागिंग करने वाले फील्ड वर्कर कर्मचारियों को 21 हजार का वेतन मिलता है जबकि दक्षिणी निगम के कर्मचारियों को केवल 13 हजार रुपये का वेतन मिलता है। उन्होंने कहा कि मिट्टी के तेल (कैरोसीन) से इस मशीन को चलाते हैं। इतनी भारी मशीन लेकर वह तीन से चार मंजिल तक जाकर फागिंग करते हैं। न तो इन्हें कोई स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है और न ही पर्याप्त वेतन। इसलिए उत्तरी निगम की तर्ज पर दक्षिणी निगम में 21 हजार का वेतन इन कर्मचारियों को मिलना चाहिए। दक्षिणी निगम की सदन की बैठक में नेता प्रतिपक्ष प्रेम चौहान ने मच्छरजनित बीमारियों पर काबू करने में विफल होने का आरोप लगाया। इसके साथ ही दर्शक दीर्घा से आप के पार्षदों ने भाजपा पार्षद के द्वारा पश्चिमी जोन के उपायुक्त से कथित बदसलूकी व विज्ञापन में भ्रष्टाचार को लेकर बैनर लहरा दिए। प्रेम चौहान ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र के उपायुक्त के साथ भाजपा की पार्षदा व उनके पति द्वारा दुर्व्यवहार पर स्पष्टीकरण न देने पर महापौर से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि उक्त प्रकरण निगम के कुशासन को उजागर करता है। नेता सदन इंद्रजीत सहरावत ने शोक प्रस्ताव रखा, जिसमें पत्रकारिता क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को याद किया गया। साथ ही ईश्वर से इस दुखद घड़ी में उनके परिवार के सदस्यों को शक्ति प्रदान करने की कामना की गई। गुप्त के साथ ही कांग्रेस पार्टी की नेता ताजदार बाबर के निधन पर भी शोक प्रस्ताव पारित किया गया। महापौर मुकेश सुर्यान ने सदन को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने की अपील की। इसके बाद सदन में मौन रखा गया।

एक नज़र

डेटिंग एप पर कर रहे रजिस्ट्रेशन तो हो जाएं होशियार, कहीं गिरोह के जाल में न फंस जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी) डाबड़ी थाना पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो डेटिंग एप टिंडर पर शिकार की तलाश कर उनसे उगाही करता था। बदनामी व कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर ये शिकार से रुपये ऐंठते थे। वे डायरी पर उनका कबूलनामा भी लिखवाते थे। पुलिस को करीब 40 पीड़ितों का कबूलनामा मिल चुका है।

शिकार के सामने गिरोह के सदस्यों में कोई खुद को जज तो कोई स्वयंसेवी संस्था का सदस्य तो कोई कानूनी सलाहकार के रूप में पेश करता था। पुलिस ने गिरोह के बदमाशों के पास से उगाही से हासिल 1,78,400 रुपये, तीन सोने की अंगूठी, चार मोबाइल फोन, तीन पुलिस फाइल, एक कार, एक स्कूटर, वाहन पर लगाने वाली लालबत्ती, एयर गन बरामद किए हैं। आरोपितों में रेवती, वैभव, सोनू सूरी, शीतल व हरविंदर शामिल हैं।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त के अनुसार इस गिरोह की सरगना सोनू सूरी है। यह एक मामले में वर्ष 2013 जेल जा चुकी है। जेल से निकलने के बाद इसने गिरोह में लोगों को जोड़ना शुरू किया। टिंडर ऐप के जरिये सोनू शिकार की तलाश करती और गिरोह के सदस्यों को इनके नंबर मुहैया करा देती थी। गिरोह की महिला सदस्य दोस्ती के जाल में शिकार को फंसाकर अपने पास बुलाती थी। इसके बाद शिकार की कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें ले ली जाती। इसके बाद वहां पहले से मौजूद गिरोह के सदस्य हंगामा शुरू कर देते थे।

दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर मिले 58 लाख रुपये का मालिक लापता

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों पर गलती से पैसे भूल जाने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं और सीआइएसएफ जवान पैसे मूल व्यक्ति को वापस भी लौटाते रहे हैं। वहीं, पैसे मिलने के ताजा मामले ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम के साथ आयकर विभाग को चौंका दिया है। 23 अक्टूबर को दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन से 58 लाख रुपये मिलने का कनेक्शन चंडीगढ़ से जुड़ गया है, जिसका जांच जारी है।

दरअसल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने जिस राजू नाम के शख्त को इतनी बड़ी रकम के साथ पकड़ा है, उसका नाम राजू है। पूछताछ में राजू का कहना है कि वह चंडीगढ़ में रहनेवाले और प्लास्टिक फैक्टरी के मालिक अशोक बंसल से जुड़ा है। वहीं, आयकर विभाग ने इतना बड़ी रकम को लेकर जांच भी शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पूछताछ में राजू रंजन चौंकाने वाला खुलासा कर सकता है, क्योंकि इतनी बड़ी रकम आखिर किसी की तो होगी ही। यह भी जांच चल रही है कि कहीं यह रकम चोरी की तो नहीं है। या फिर कोई आयकर विभाग की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश तो नहीं कर रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन पर 58 लाख रुपये मिलने का मामला 23 अक्टूबर का है।

दरअसल, इतनी बड़ी रकम एक प्लास्टिक फैक्टरी में काम करने वाले राजू रंजन नाम के शख्स के थैले से बरामद हुई थी। इसके बाद CISF ने रुपये जब्त कर राजू रंजन को हिरासत में ले लिया और इसकी सूचना आयकर अधिकारियों को दी। वहीं, आयकर अधिकारियों ने जब चंडीगढ़ में रहने वाले और प्लास्टिक फैक्टरी के मालिक अशोक बंसल को फोन करने से पहले व्यक्ति से पूछताछ की तो हैरानी हुई। इसके पीछे वजह यह है कि मालिक अपने कर्मचारी के जरिये इतनी बड़ी राशि थैले में रखकर ले जाने के संबंध में संतोषजनक जवाब देने में नाकामयाब रहा। इसके चलते आयकर विभाग ने 58 लाख रुपये जब्त कर लिए। CISF के अधिकारियों के मुताबिक, 36 वर्षीय एक व्यक्ति को 23 अक्टूबर को लाल किला मेट्रो स्टेशन पर 58 लाख रुपये की नकद ले जाने के मामले में पकड़ा।

मकान की तीसरी मंजिल से आती रही आवाज, कोई तो बचा लो, हम जीना चाहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी) कोई तो बचा लो, हम जीना चाहते हैं। 22 गज के मकान की तीसरी मंजिल से यह आवाजें गूंज रही थीं। एक तरफ मौत उन्हें आगोश में लेने को तैयार थी, दूसरी तरफ वह अपनी जान बचाने के लिए छटपटा रहे थे। कमरे की खिड़की में लोहे का जाल लगा हुआ था। अंदर से शीशे का पल्ला था। धुएं के दबाव के कारण शीशा तो टूट गया, लेकिन जाल निकल नहीं सकता था। परिवार के बचने का सिर्फ एक ही रास्ता था, कमरे का दरवाजा। उसके पास आग पहुंचने से उनके बचने की वो उम्मीद भी खत्म हो गई। शवों को देखने पर लग रहा है उन्होंने आग बुझाने की कोशिश भी की, उसी दौरान वह झुलसे भी।

कमरे में आग लगने के बाद जब धुआं उठा तो दंपती और उनके दोनों बच्चों ने मौत को अपने सामने पाया। अक्षय ने बताया, 'मैं दूसरी मंजिल से तीसरी मंजिल पर पहुंचा तो अंदर से चीखें सुनाई दे रही थीं कि कोई बचा लो, हम जीना चाहते हैं। दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन वह अंदर बंद था। तोड़ने की कोशिश भी नाकाम रही। कमरे में प्लास्टिक का सामान रखा था, जिसमें आग लगने के कारण धुआं ज्यादा बढ़ गया और अंदर फंसे चारो लोगों सांसे थम गई। मैं बेबस था।' होरीलाल के पड़ोसियों का कहना है कि बहुत ही भयानक मंजर था। उस मंजर को वह कभी नहीं भूल सकते। होरीलाल और उनके परिवार की चीखें उनके कानों में गूंज रही हैं। कमरे में धुएं का दबाव अधिक होने से खिड़की का शीशा धमाके के साथ नहीं टूटता तो शायद ही उनको हादसे का पता चलता। पड़ोसियों ने ही दूसरी मंजिल पर सो रहे अक्षय को आवाज देकर जगाया। जब अक्षय ने खिड़की से देखा तो पड़ोसियों ने बताया कि ऊपर की मंजिल पर आग लग गई है। होरीलाल ने बेटे की शादी धूमधाम से करने के लिए लगभग सारी तैयारियां पूरी कर ली थी। उन्होंने कमरे में बेटे आशु की शादी का सामान जमा किया हुआ था।

कहीं सामान चोरी न हो जाए, इसलिए परिवार रात के वक्त अंदर से कमरे के दरवाजे की कुंडी लगाकर सोता था। अक्षय की मां रीना ने घर के पास ही खिलौनों की दुकान खोली हुई थी। दीवाली का वक्त है, घर की दूसरी मंजिल पर कम प्रदूषण वाले कुछ पटाखे भी रखे हुए थे। परिवार का कहना है कोर्ट के प्रतिबंध से पहले पटाखे खरीदे गए थे। दमकल विभाग का कहना है आग अगर पटाखे तक पहुंच जाती तो हादसा बड़ा हो सकता था। मकान के भूतल पर एक डाक्टर की दुकान है और पहली मंजिल पर सुनील कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। सुनील करवाचौथ मनाने के लिए पत्नी के साथ ससुराल गए हुए थे। सोमवार रात को उसका घर बंद था। यमुनापार के पुरानी सीमापुरी इलाके में मंगलवार तड़के लगी आग के दौरान दमकल विभाग को फोन करके आग लगने की सूचना दी गई। घटनास्थल एक वाल्मीकि मंदिर के नजदीक बताया गया।

शहनाई बजने से पहले ही घर में छाया मातम, परिवार में अकेले बचे अक्षय ने बयां किया दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी) सीमापुरी इलाके में जिस घर में शहनाई बजने वाली थी वहां अब मातम पसरा हुआ है। होरीलाल अपने बड़े बेटे आशु की शादी करने जा रहे थे। परिवार तैयारियों में जुटा था। रिश्तेदारों में शादी के कार्ड तक बंट चुके थे। आशु की बारात महिपालपुर जानी थी, लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। आग ने पूरा परिवार उजाड़ दिया। घर में विलाप के लिए बचा सिर्फ अक्षय। होरीलाल के छोटे बेटे अक्षय ने बताया कि दीवाली के बाद बड़े भैया आशु की शादी थी। घर में पहली शादी थी। पूरा परिवार तैयारियों में लगा हुआ था। दूर रहने वाले रिश्तेदारों को शादी के कार्ड भेजे जा चुके थे।

अगले हफ्ते कालोनी के लोगों को कार्ड दिए जाने थे। शादी के लिए नए कपड़े व अन्य सामान की खरीदारी कर ली गई थी। बस शादी के शुभ दिन का इंतजार था। लेकिन, परिवार की खुशियां को न जाने किस की नजर लग गई। आग में माता-पिता और भाई के साथ जान गंवाने वाली रोहिणी पढ़ाई के साथ दुकान भी संभालती थी। सीमापुरी स्थित सवरेदय कन्या विद्यालय में पढ़ाई कर रही रोहिणी दोनों भाइयों से छोटी थी। अक्षय ने बताया कि घर के पास ही एक दुकान थी। मां रीना दोपहर दो बजे तक नगर निगम में ड्यूटी करती थीं। इसके बाद वह दुकान पर बैठ जाती थीं। बीच में जब वह घर आती थीं तो रोहिणी ही दुकान संभालती थी। अक्षय ने बताया कि परिवार में सभी लोग रोहिणी को प्यार करते थे, लेकिन वह मां रीना की सबसे ज्यादा प्यारी थी।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

जम्मू-कश्मीर: शाह के दौरे से फिर बदलेंगे हालात

बीते दिनों हुए जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी हमले से एक बार फिर वहां का माहौल खराब हो गया था, जिसके बाद राज्य से अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। इस तीन दिवसीय दौरे में अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर की जनता को उसकी सुरक्षा व तरक्की के लिए आश्वस्त किया। सरकार द्वारा किये हुए कामों को भी बताया व जनता में विश्वास की भावनाओं को बनाए रखने के लिए गृह मंत्री ने यहां तक कहा कि 'मैं कश्मीर के युवाओं से दोस्ती करना चाहता हूं। इसलिए बिना बुलेटप्रूफ आपके बीच आया हूं।

आप अपने दिल से खौफ निकाल दीजिए।' इसके अलावा शिक्षा पर बात करते हुए कहा कि पहले यहां मात्र तीन मेडिकल कॉलेज थे लेकिन अब यहां सात और नए कॉलेज बन गए जिससे अलगाववादी व हुर्रियत नेताओं की दुकानदारी बंद हो गई क्योंकि लोगों से मोटी रकम वसूलकर यहां के युवाओं को पाकिस्तान के कॉलेजों में भेजा जाता था। गृहमंत्री के दौरे को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे थे और जिस बात का अंदाजा था उन्हीं मुद्दों पर आधारित बातें थी। सरकार के अनुसार इस दौरे के बाद जनता में आतंकियों के प्रति डर कम होगा व आतंकियों में एक बार फिर भय का माहौल बनेगा। दरअसल, इस बार आतंकी दहशत फैलाने के लिए सुरक्षा बलों और प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाया रहे हैं। घटनाओं के बाद से ही लगातार सुरक्षा बल चुनौतियों से निपट रहा है। सरकार ने सुरक्षा को और दुरुस्त करने के लिए सेना को पूर्ण रूप से अनुमति दे रखी है कि आतंकवाद को पनपने से पहले ही खत्म कर दिया जाए। धारा 370 हटने के बाद सभी आतंकी संगठन बौखलाए हुए हैं और ऐसी स्थिति पहली बार बनी है। चूंकि जम्मू-कश्मीर से लगातार अच्छी खबरें आने लगी थी जो देश में बैठे गद्दारों व पाकिस्तान को बर्दाश्त नहीं हो रही थी।

> आप अपने दिल से खौफनिकाल दीजिए।' इसके अलावा शिक्षा पर बात करते हुए कहा कि पहले यहां मात्र तीन मेडिकल कॉलेज थे लेकिन अब यहां सात और नए कॉलेज बन गए जिससे अलगाववादी व हुर्रियत नेताओं की दुकानदारी बंद हो गई क्योंकि लोगों से मोटी रकम वसूलकर यहां के युवाओं को पाकिस्तान के कॉलेजों में भेजा जाता था। गृह्मंत्री के दौरे को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे थे और जिस बात का अंदाजा था उन्हीं मुद्दों पर आधारित बातें थी।

दरअसल कुछ समय पहले भारतीय सेना ने बताया कि अब आतंकियों को कश्मीर के लोगों का समर्थन नहीं मिल रहा है। पिछले कुछ समय से यहां के युवाओं ने आतंकी संगठनों को ज्वाइन नहीं किया बल्कि इसके विपरीत सेना में भर्ती होने के लिए अपना पंजीकरण करा रहे हैं। इस आधार पर यह तय हो जाता है कि यहां के नागरिक अब शांति व खुशहाली से जीवन जीना चाहते हैं। सेना के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल ने बताया था कि आतंकवादी इन इलाकों में सिर्फ सनसनी फैलाए रखना चाहते हैं। हमेशा से पाकिस्तान का गुणगान करने वाले अलगाववादी नेता इस तरह का प्रोपगेंडा चलाते हैं जिससे यहां वो आतंकवाद के नाम पर अपनी रोजी-रोटी चलाते रहें लेकिन स्थानीय लोगों ने समर्थन देना बंद कर दिया जिससे आतंकवाद की कमर टूट गई थी। इस साल व पिछले वर्ष सेना में भर्ती के लिए राज्य के दस हजार युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। उससे पिछले वर्ष यह पांच हजार के लगभग था और उससे पहले बहुत ही कम होता था। लगातार बढ़ रहे आंकड़ों से सबसे ज्यादा झटका उनको लगा है जो यहां लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करके जहर की खेती कर रहे थे। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से ही यह बदलाव की बयार बड़े स्तर पर देखने का मिल रही थी।

विगत दिनों अनुच्छेद 370 के हटने से यहां के लोगों ने और ज्यादा आजादी महसूस की जिससे इनको इस बात की प्रामाणिकता मिल गई अब यहां के हालात बिल्कुल गए बदल गए। इस बात की जानकारी बहुत ही कम लोगों के पास होगी कि अलगाववादियों की सुरक्षा व अन्य जीवन प्रक्रिया पर करोड़ों रुपया खर्च होता था। 2016 मे केंद्रीय गृह मंत्रालय की रिपोर्ट मे बताया गया था कि 2009 से 2014 तक अलगाववादियों को सुरक्षित स्थलों पर ठहरवाने, देश-विदेश की यात्राएं करवाने व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के अलावा भी कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाती थी जिसका 5 साल में 560 करोड़ रुपये का खर्चा आया था। इस हिसाब से सालाना 112 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इतने बजट से किसी अन्य बड़ी योजना को अंजाम दिया जा सकता था जिससे देश का भला होता। जबकि इन नेताओं का काम सिर्फ पाकिस्तान पक्ष की बातें करना या उनकी चमचागिरी करना था। बंटवारे से लेकर अब तक हिन्दुस्तान इस दुर्भाग्य से जूझ रहा था लेकिन जब से मोदी सरकार ऐसी घटनाओं को लेकर एक्शन में आई है तब से सब पूरी तरह बदल गया। दरअसल आतंकवादियों ने कभी यह सोचा भी नहीं था कि उनकी जम्मू-कश्मीर में उनकी दुकानदारी एकदम बंद हो जाएगी लेकिन बीते दिनों में जो भी हो रहा है उस पर केन्द्र सरकार को एक बड़े एक्शन ऑफ प्लॉन की जरूरत है।

देश ने लगाई नवाचार में छलांग

प्रमोद भार्गव

यह अत्यंत खुशी की बात है कि भारत ने नवाचार के क्षेत्र में उन्नति करते हुए वैश्विक सूचकांक में 46वां स्थान प्राप्त कर लिया है। यह सूचकांक विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) जारी करता है। यह बढ़त बीते सात साल में हुई है, अन्यथा इसके पहले 2015 में भारत 81वें स्थान पर था। इतने कम समय में 37 पायदान चढ़कर 46वां स्थान हासिल करना बड़ी बात है। विश्वव्यापी औद्योगिक-वैज्ञानिक आर्थिकी में नवाचार क्षमता का यह दखल अहम कड़ी है। दरअसल नवाचार वह प्रक्रिया है, जिसमें नई सोच व विचारों के साथ उद्यमशीलता गति पकड़ती है। 21वीं सदी में विकास और रोजगार के क्षेत्र में प्रगति की उपलब्धियों में नवाचार ही वह माध्यम है, जो किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में सहायक है।

नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से उन्होंने नवाचार के लिए न केवल माहौल रचा, बल्कि नवाचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई नई संस्थाएं भी गठित कीं। इनमें राष्ट्रीय नवाचार परिषद्, अटल इनोवेशन मिशन और भारत समावेशी नवाचार कोष जैसी संस्थाएं वजूद में लाई गईं। हालांकि नवीन अनुसंधान और नवाचार की जितनी संभावनाएं भारत में हैं, उस नाते एक ऐसी संस्था की भी जरूरत है, जो ऐसे नवाचारियों को प्रोत्साहित करे, जो बिना कोई अकादमिक शिक्षा प्राप्त किए ही बेहद उपयोगी आविष्कारों के जन्मदाता बन गए हैं। भविष्य में ऐसा संभव होता है तो जमीन से जुड़े और ज्ञान परंपरा से आविष्कारों के जनकों की भी भूमिका नचाचार, विज्ञान और आविष्कार के क्षेत्र में रेखांकित होगी। हालांकि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से इस दिशा में भी नई पहल हो रही है। हालांकि भारत में अभी भी शोध और नवाचार पर निवेश कुल जीडीपी का एक प्रतिशत ही किया जाता है। जबकि चीन में यह 2.1 प्रतिशत, अमेरिका में यह 2.8, दक्षिण कोरिया में 4.2 और इजरायल में 4.3 प्रतिशत तक है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (पीएमईएसी) ने सलाह दी है कि भारत को नवप्रवर्तन, औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास में अग्राणी बनने के लिए इस मद में निजी क्षेत्र का खर्च भी बढ़ाना होगा। फिलहाल विश्व बाजार में सूचना प्रौद्योगिकी, दवा उद्योग और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धियों को मान्यता मिल रही है। भारत कृत्रिम बुद्धि और रोबोटिक जैसे अत्यंत नई तकनीक में भी अनुसंधान करते हुए प्रगति कर रहा है। इसीलिए भारत की नवाचार के क्षेत्र में साख बनी है। नतीजतन ब्लूमबर्ग के वार्षिक नवाचार सूचकांक में भी भारत को विनिर्माण क्षमता विस्तार और सार्वजनिक संस्थानों में उच्च तकनीक का विस्तार करने के लिए रेखांकित किया गया है। भारत सरकार ने भी इस दृष्टि से देश में नवाचार की कार्य संस्कृति को जानने के लिए नीति आयोग के अंतर्गत 2019 से नवाचार सूचकांक जारी कर रहा है। इस सूची में कर्नाटक देश के नवाचार सूचकांक में प्रथम पायदान पर है। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना और हरियाणा भी इस प्रतिस्पर्धा में शामिल हैं। हरियाणा को यदि छोड़ दें तो घनी आबादी वाले हिंदीभाषी राज्य इस चुनौती को स्वीकारने में पिछड़ रहे हैं। इसका प्रमुख कारण विज्ञान, तकनीक और रोजगार कौशल के ज्ञान को अंग्रेजी में देना भी है। यदि नई शिक्षा नीति के माध्यम से विज्ञान व तकनीकी विषयों को उच्च शिक्षा संस्थानों में मातृभाषाओं में पढ़ाए जाने का सिलसिला शुरू होता है तो कालांतर में यह स्थिति बदल सकती है। फिलहाल 14 इंजीनियरिंग कॉलेजों ने इस नीति के तहत पांच भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा के पाठ्यक्रम जारी कर दिए हैं। परंतु अभी इन पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए जरूरी पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि कृत्रिम बुद्धि के जरिए पुस्तकों, अकादमीय पत्रिकाओं और वीडियो एप के जरिए पाठों को अनुवाद करने वाले कुछ उपकरण नवाचारियों ने निर्मित किए हैं, लेकिन इनके अनुवाद की गुणवत्ता संपूर्ण है अथवा नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मातृभाषाओं में पढ़ाने वाले अध्यापकों की भी कमी है। अतएव इन क्षेत्रों में जल्द सुधार की आवश्यकता है। हालांकि दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। लेकिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी साहित्य सृजन में केवल पाश्चात्य लेखकों का ही बोलबाला है। पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक आविष्कारों से ही यह साहित्य भरा पड़ा है। भारत में भी इसी साहित्य का पाठ्य पुस्तकों में अनुकरण है। इस साहित्य में न तो हमारे प्राचीन वैज्ञानिकों की चर्चा है और न ही आविष्कारों की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित करते हैं और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहास पूर्ण रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनुदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढालकर अनेक आविष्कार व सिद्धांत गढ़कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे। कहते हैं कि पक्षियों के पंख प्राकृतिक रूप से ही संपूर्ण रूप में विकसित हो जाते हैं, लेकिन हवा के बिना उनमें पक्षी को उड़ा ले जाने की क्षमता नहीं होती है। अर्थात उड़ने के लिए वायु आवश्यक तत्व है। इसी तथ्य के आधार पर हम कह सकते हैं, आविष्कारक वैज्ञानिक को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई वैज्ञानिक कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह कल्पना के बिना कोई मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता है। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है, वह उतना ही बताती व सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार तल देती है।

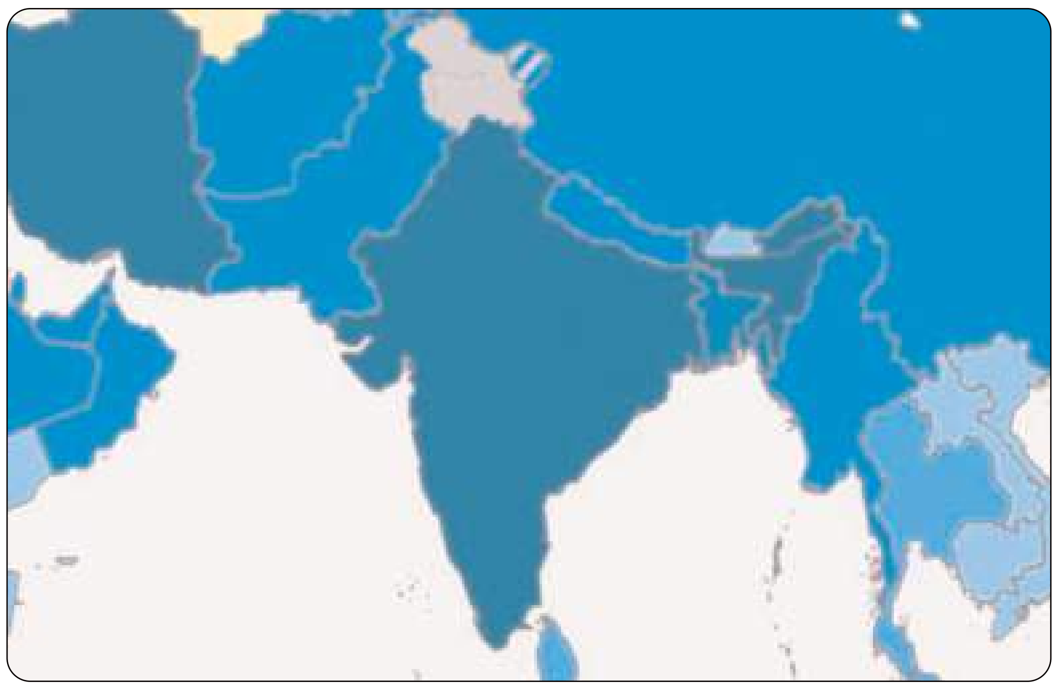

स्पष्ट है, आविष्कारक लेखक या नए सिद्धांतों के प्रतिपादकों को उच्च शिक्षित होने की कोई बाध्यकारी अड़चन पेश नहीं आनी चाहिए। अतएव हम जब लब्ध-प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इर्द-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। सूक्ष्म जीवों का अध्ययन करने वाले पहले वैज्ञानिक ल्यूवेनहॉक द्वारपाल थे और लैंसों की घिसाई का काम करते थे। लियोनार्दो विंची एक कलाकार थे। आइंस्टीन पेटेंट कार्यालय में लिपिक थे। न्यूटन अव्यावहारिक और एकांतप्रिय थे। उन्होंने विवाह भी नहीं किया था। न्यूटन को मंदबुद्धि भी कहा गया है। थॉमस अल्वा एडिसन को मंदबुद्धि बताकर प्राथमिक पाठशाला से निकाल दिया गया था। इसी क्षीण बुद्धि बालक ने कालांतर में बल्ब और टेलीग्राफ का आविष्कार किया। फैराडे पुस्तकों पर जिल्दसाजी का काम करते थे। लेकिन उन्होंने ही विद्युत-मोटर और डायोनामा का आविष्कार किया। प्रीस्टले पुरोहित थे। लेवोसिएर कर विभाग में कर वसूलते थे।

कांग्रेस में नई उम्मीद जगाती कन्हैया की विशेष संवाद शैली

निर्मल रानी

बिहार के दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान तथा मुंगेर जिले की तारापुर विधानसभा सीटों पर आगामी 30 अक्टूबर को उपचुनाव होने जा रहे हैं। यही वह दो सीटें हैं जो बिहार में कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल का गठबंधन टूटने का कारण बनीं। कांग्रेस का आरोप है कि राजद ने कांग्रेस पार्टी से सलाह किये बिना इन दोनों ही सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिये जोकि गठबंधन धर्म के विरुद्ध था। विगत आम विधानसभा चुनाव में तारापुर में आरजेडी का प्रत्याशी दूसरे नंबर पर था जबकि कुशेश्वरस्थान से कांग्रेस का प्रत्याशी दूसरे स्थान पर था।

इसी आधार पर कुशेश्वरस्थान सीट पर कांग्रेस की अपनी दावेदारी थी परन्तु राजद ने कांग्रेस से विमर्श किये बिना दोनों ही सीटों से अपने प्रत्याशी घोषित कर दिये नतीजतन कांग्रेस-राजद गठबंधन टूट गया। उधर राजद के बाद कांग्रेस ने भी दोनों ही सीटों पर अपने प्रत्याशी मैदान उतार कर चुनावी संघर्ष को और भी दिलचस्प बना दिया है। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस ने जिन युवाओं को स्टार प्रचारक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी है तथा जिनकी राजनैतिक सूझ बूझ व कौशल पर भरोसा किया है वे हैं कन्हैया कुमार,जिग्नेश मेवानी और हार्दिक पटेल। कांग्रेस में शामिल होने के बाद गत 22 अक्टूबर को पहली बार कन्हैया कुमार, जिग्नेश मेवानी और हार्दिक पटेल के साथ पटना स्थित ऐतिहासिक राज्य कांग्रेस मुख्यालय भवन सदाकत आश्रम पहुंचे। यहाँ न केवल भारी संख्या में आये कांग्रेसजनों ने इन युवा नेताओं का भरपूर जोश व उत्साह से स्वागत किया बल्कि उनके समक्ष विभिन्न दलों से आये के अनेक नेताओं ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सदाकत आश्रम में हाजिरी लगाने के बाद इन युवा नेताओं ने कुशेश्वरस्थान तथा तारापुर विधानसभा सीटों के चुनाव प्रचार की कमान संभाली। इन दोनों सीटों पर चुनाव परिणाम क्या होंगे इसका फैसला तो दो नवंबर को होगा परन्तु कन्हैया कुमार की विशेष संवाद शैली और जनमानस को झकझोर कर रख देने वाली उनकी भाषण कला ने इन दोनों ही सीटों पर कांग्रेस की जबरदस्त उपस्थिति जरूर दर्ज करा दी है। कन्हैया को सुनने के लिये उपचुनाव की नुक्कड़ सभाएं, बड़ी सभाओं में बदल गयीं और कन्हैया द्वारा जनता के बीच रखे जा रहे सवालों व बात करने के उनके दो टूक अंदाज के चलते मतदाताओं का जबरदस्त आकर्षण कांग्रेस की ओर तेजी से बढ़ा है। पैरों में हवाई चप्पल तथा आज के युवाओं के फैशन के मुताबिक साधारण पैंट शर्ट पहने हुए जब वे बिहार के युवाओं से ठेठ बिहारी,मैथली व भोजपुरी भाषा में रूबरू होकर उन्हें उनकी वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हुए उन्हें आत्मावलोकन की सीख देते हैं तो युवाओं में जोश पैदा हो जाता है। युवाओं के जोश व वरिष्ठ लोगों के होश एवं अनुभव के साथ जब वे बिहार में क्रन्तिकारी परिवर्तन लाने का आह्वान करते हुए जब वे बिहार को पर्यटन व उद्योग सहित अनेक क्षेत्रों में आगे ले जाने के लिये जनता साथ मांगते हैं तो बिहार की जनता एक नवोदित बिहारी युवा होने के नाते उन पर भरोसा करती नजर आती है। निश्चित रूप से यह कन्हैया कुमार की युवाओं में बढ़ती लोकप्रियता का ही परिणाम था कि कन्हैया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद तेजस्वी व चिराग पासवान जैसे क्षेत्रीय युवा क्षत्रप भी असहज दिखाई दिये। क्योंकि कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय राजनैतिक दल को जहाँ बिहार में एक बड़ा युवा चेहरा मिल चुका है वहीं कन्हैया जैसे युवा आइकॉन बन चुके मुखर सत्ता आलोचक को भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने व अपने विचारों को देश के कोने कोने में पहुँचाने का कांग्रेस रुपी एक बड़ा प्लेटफॉर्म मिल गया जो उनकी पूर्ववर्ती पार्टी अपनी अति सीमित संगठनात्मक क्षमता के कारण उन्हें नहीं दे पा रही थी। स्वभावतः प्रायः सांप्रदायिक सद्भाव आधारित बिहार राज्य से सांप्रदायिक शक्तियों के विस्तार को रोकने से लेकर जात-पात के भेदभाव मिटाने तक के प्रयासों के पक्ष में जब वे अपनी बात रखते हैं और बड़ी साफगोई से यह भी कहते सुनाई देते हैं कि बेशक मैं कांग्रेस पार्टी की तरफसे वोट मांगने जरूर आया हूँ परन्तु आप मेरे कहने से वोट न देना बल्कि जब आपको मेरी बातें,मेरा तर्क सही लगे और आपका विवेक आपकी आत्मा आपको आवाज दे, तभी कांग्रेस को वोट डालना,उनका यह अंदाज मतदाताओं में उनके प्रति और भी विश्वास जगाता है।

> **विगत आम विधानसभा चुनाव में तारापुर में आरजेडी का प्रत्याशी दूसरे नंबर पर था जबकि कुशेश्वरस्थान से कांग्रेस का प्रत्याशी दूसरे स्थान पर था। इसी आधार पर कुशेश्वरस्थान सीट पर कांग्रेस की अपनी दावेदारी थी परन्तु राजद ने कांग्रेस से विमर्श किये बिना दोनों ही सीटों से अपने प्रत्याशी घोषित कर दिये नतीजतन कांग्रेस-राजद गठबंधन टूट गया।**

उपचुनाव में फैलाये जा रहे धर्म निरपेक्ष मतों के विभाजन के तर्क को भी वे कांग्रेस के पक्ष में बखूबी बयान करते हैं। गाँधी-भगत-सिंह की जय के साथ जब वे जय भीम बोलते हैं उस समय जनता का आकर्षण कांग्रेस पार्टी में एक नया संचार पैदा करता है। आत्ममुग्धता व स्वप्रशंसा से दूर रहने वाले कन्हैया को इसी बिहार उपचुनाव की एक सभा में जब एक वक्ता ने ' आजका भगत सिंह' कहकर मंच पर आमंत्रित किया उस समय माइक पकड़ते ही कन्हैया ने उनकी भगत सिंह से तुलना किये जाने पर घोर असहमति व आपत्ति जताई साथ यह भी कहा कि वे तो भगत सिंह के पैरों की धूल भी नहीं हैं। उनका यह अंदाज उन्हें एक विनम्र राजनीतिज्ञ के रूप में स्थापित करता है। बिहार के नवनिर्माण में बिहार की जनता का साथ मांगने के साथ कन्हैया बिहार के उन सभी नौकरशाहों से भी सवाल करते हैं जिन्होंने राज्य से शिक्षा दीक्षा लेकर भले ही देश के लिये बहुत कुछ किया हो परन्तु वे उनसे यह भी पूछते हैं कि आखिर अब तक उन्होंने अपने राज्य के लिये क्या किया ? हालांकि बिहार के विकास के लिये कांग्रेस को उसकी जिम्मेदारी से बचाने के लिये वे यह तर्क देते हैं कि गत तीन दशक से चूँकि कांग्रेस सत्ता से बाहर है इसलिये हर सवाल गत तीन दशक के सत्ताधारियों से ही किया जाना चाहिये। हालांकि मुख्यमंत्री नितीश कुमार महिलाओं को पंचायती राज में पचास प्रतिशत आरक्षण,लड़कियों को पढ़ाई हेतु साइकिल देने की योजना,शराबबंदी तथा अन्य विकास संबंधी योजनाओं के नाम पर वोट मांग रहे हैं। परन्तु यह भी अजीब इत्तेफाक है कि उपचुनाव होने वाली तारापुर (मुंगेर)की सीट से जदयू नेता और नीतीश कैबिनेट में मात्र एक दिन के लिए शिक्षा मंत्री रहे मेवालाल चौधरी के निधन के चलते खाली हुई है उनका निधन कोरोना संक्रमित होने के कारण हो गया था। इसीलिये कन्हैया उपचुनाव में यह कहते व जनता व नितीश सरकार से पूछते फिर रहे हैं कि जो सरकार अपने पूर्व मंत्री व अपने विधायक की कोरोना से व स्वास्थ्य व्यवस्था की कमियों के चलते रक्षा नहीं कर सकी वह सरकार भला आम जनता की रक्षा कैसे करेगी व आम जनता को स्वास्थ्य सुविधायें कैसे मुहैय्या करायेगी। इसमें कोई संदेह नहीं की कन्हैया की हाजिर जवाबी व उनके विशेष बिंदास परन्तु आक्रामक संवाद शैली ने कांग्रेस में नई उम्मीद तो जगाई है साथ ही बिहार के युवाओं को भी कन्हैया के नेतृत्व में उम्मीद की किरण नजर आने लगी है।

रजनीकांत : फिल्मी आकाश का सूर्य

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली के विज्ञान भवन में 25 अक्तूबर को आयोजित 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा सिनेमा जगत के 'थलाइवा' अभिनेता और दक्षिण भारत के सुपरस्टार रजनीकांत को 51वें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने रजनीकांत को 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में भारत का सर्वोच्च फिल्म सम्मान 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि रजनीकांत न केवल महान प्रतीक हैं बल्कि भारतीय सिनेमा की दुनिया के लिए एक संस्था हैं।

रजनीकांत को यह पुरस्कार दिए जाने की घोषणा इसी वर्ष एक अप्रैल को की गई थी। 70 वर्षीय रजनीकांत ने अपना यह पुरस्कार अपने गुरु के. बालाचंद्र, अपने भाई सत्यनारायण राव तथा अपने बस ड्राइवर दोस्त राजबहादुर को समर्पित किया। दरअसल रजनीकांत को एक बस कंडक्टर से ग्लैमर की दुनिया में पहुंचाने का बहुत बड़ा श्रेय राजबहादुर को जाता है और रजनीकांत इस बात को वर्षों बाद भी नहीं भूले। वर्ष 2019 के लिए भारतीय सिनेमा के इस सर्वश्रेष्ठ सम्मान के लिए रजनीकांत के नाम का चयन पांच ज्यूरी सदस्यों आशा भोंसले, मोहनलाल, विश्वजीत चटर्जी, शंकर महादेवन तथा सुभाष घई ने एकमत से किया था। सिनेमा जगत के किसी एक कलाकार को प्रतिवर्ष दादा साहेब फाल्के पुरस्कार के लिए चुना जाता है और विजेता को डायरेक्टरेट ऑफ फिल्म फेस्टिवल्स द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में स्वर्ण कमल, शॉल तथा 10 लाख रुपये नकद पुरस्कार से नवाजा जाता है। अभी तक रजनीकांत सहित कुल 51 हस्तियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है। रजनीकांत करीब पांच दशकों से फिल्म जगत के बेताज बादशाह रहे हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और लगन से लोगों के दिलों में जगह बनाई है और आज फिल्म जगत में सूरज की तरह चमक रहे हैं। तमिलनाडु में तो उनके प्रशंसक उन्हें अपना 'भगवान' मानते हैं, जहां आदर से उन्हें 'थलाइवा' (नेता) कहा जाता है। रजनीकांत की किसी नई फिल्म की घोषणा हो या उनका जन्मदिन, वह अवसर उनके प्रशंसकों के लिए त्योहार जैसा होता है।

अक्सर देखा जाता रहा है कि कैसे उनके प्रशंसक उनके पोस्टरों को दूध में नहलाते हैं, कुछ उनके कटआउट पर फूलमालाएं लादते हैं तो कुछ मूर्ति बनाकर उनकी पूजा करते हैं। उनकी फिल्म रिलीज होते ही उसका पहला शो देखने के लिए कैसे सिनेमाघरों के बाहर रात से ही दर्शकों की कतारें लगती रही हैं, ये तस्वीरें भी अक्सर देखी गई हैं। उनकी सफलता को देखते हुए उनके बारे में कहा जाता है कि असंभव को संभव बनाने का नाम ही रजनीकांत है। रजनीकांत ने अभिनय की अलग शैली तथा अदाकारी का नया स्टाइल विकसित कर उसे इस कदर लोकप्रिय बनाया कि वह 'रजनीकांत स्टाइल' के नाम से विख्यात हो गया। सिगरेट और चश्मे को अपने ही अंदाज में उछालने और पकड़ने की उनकी अदाकारी सिनेप्रेमियों के बीच उनकी विशिष्ट पहचान बन गई। उन्हें वास्तविक जीवन में कभी भी कृत्रिम तरीके से हुलिया नहीं बदलने और कम होते बालों को भी कभी नहीं छिपाकर सहजता से रहने के लिए जाना जाता है। फिल्मी दुनिया में

एक्शन हीरो के रूप में उभरने से पहले रजनीकांत बेंगलुरू में कुली और फिर बस कंडक्टर का काम करते थे लेकिन बस में उनका टिकट काटने का स्टाइल बिल्कुल अनोखा था। अपने उसी अंदाज को लेकर वे लोगों के बीच काफी तेजी से लोकप्रिय होने लगे। उनकी उसी खासियत को भांपकर उनके ड्राइवर साथी राजबहादुर ने उन्हें फिल्मों में अभिनय के लिए न सिर्फ प्रेरित किया बल्कि इस कार्य में उनका हरसंभव सहयोग भी किया। राजबहादुर द्वारा प्रोत्साहित करने पर उन्होंने मद्रास फिल्म संस्थान से अभिनय का पाठ्यक्रम किया और आखिरकार एक तमिल फिल्म प्रोड्यूसर ने रजनीकांत को अपनी फिल्म में मौका दे दिया और चॉकलेटी चेहरा नहीं होने के बावजूद रजनीकांत ने अपनी एक्टिंग से बड़े पर्दे पर ऐसा समां बाधा कि करोड़ों दर्शक उनके अभिनय के मुरीद हो गए। आज वे देश के सर्वाधिक महंगे फिल्मी हीरो में से एक हैं, जिन्होंने वर्ष 2019 में एक फिल्म में काम करने के लिए 81 करोड़ रुपये पारिश्रमिक लेकर रिकॉर्ड बनाया था। निम्न मध्यमवर्गीय मराठा परिवार में 12 दिसम्बर 1950 को जन्मे रजनीकांत के कैरियर की शुरुआत वर्ष 1975 में के. बालाचंद्र द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'अपूर्व रंगांगल' से हुई थी। उस फिल्म में कमल हासन और श्रीविद्या जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिका में थे। कैरियर के शुरुआती दौर में उन्होंने फिल्मों में कई नकारात्मक किरदार निभाए।

उसके बाद उन्होंने 'कविक्कुयिल', 'सहोदरारा सवाल' (कन्नड) और 'चिलकम्मा चेप्पिंडी' (तेलुगू) में सकारात्मक पात्रों का अभिनय किया। 1976 में जाने-माने तमिल फिल्म निर्देशक बालाचंद्र की फिल्म 'मुंडरू मुडिचू' से उन्हें सफलता मिली और फिल्म 'भुवन ओरु केल्विकुरी' में पहली बार हीरो की भूमिका में नजर आए। 'बिल्लू' नामक उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट होने के बाद वे खासतौर से लोगों की नजरों में आए। 1980 के आखिर तक रजनीकांत दक्षिण भारत की सभी भाषाओं की फिल्मों में काम कर तमिल सिनेमा में अपना नाम स्थापित कर चुके थे। 'बिल्लू' के अलावा 'मुथू', 'बाशहा', 'शिवाजी', 'एंथीरन', 'काला' इत्यादि कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर वे दक्षिण भारत के बड़े स्टार बन गए। वर्ष 1983 में उन्होंने अपनी पहली हिन्दी फिल्म 'अंधा कानून' से बॉलीवुड में भी कदम रखा। उसके बाद तो उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। बॉलीवुड में उन्होंने 'हम', 'अंधा कानून', 'भगवान दादा', 'आतंक ही आतंक', 'चालबाज', 'बुलंदी' इत्यादि कई सुपरहिट फिल्में दी। रजनीकांत आज दक्षिण भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े स्टार कहे जाते हैं और उनकी तुलना 20वीं सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से की जाती है। उनकी खास तरह की डायलॉग डिलीवरी, अभिनय का चमत्कारिक अंदाज, परोपकारिता, अपार लोकप्रियता और करिश्माई व्यक्तित्व के बावजूद राजनीति में कदम रखने की हिचक जैसी अनेक बातें उन्हें असाधारण बनाती हैं।

यूनिक डायलॉग डिलीवरी और बेबाक राजनीतिक वक्तव्यों के लिए विख्यात हो चुके रजनीकांत अपनी अपार लोकप्रियता के कारण ही कुछ वर्षों से राजनीति में पदार्पण करने की हिम्मत जुटा रहे थे और इसके लिए उन्होंने अपना एक संगठन भी बनाया था लेकिन खराब सेहत के कारण पिछले साल उन्होंने चुनावी राजनीति से पैर पीछे खींच लिए। उन्होंने 2002 में थ्रिलर फिल्म 'बाबा' बनाई थी, जिसे भारी नुकसान उठाना पड़ा था लेकिन जापान में वह फिल्म खूब चली। विगत कुछ वर्षों में एस शंकर, के एस रविकुमार, पा रंजीत, एआर मुरुगदास जैसे नए जमाने के फिल्म निर्देशकों ने 'शिवाजीः द बॉस', 'लिंगा', 'काला' और 'दरबार' जैसी फिल्मों में अपने हिसाब से रजनीकांत के अभिनय के जादू को बाहर निकाला। इस समय वह 'अन्नाती' फिल्म पर काम कर रहे हैं। भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने से पहले उन्हें पद्म भूषण और पद्म विभूषण सम्मानों के अलावा फिल्म जगत के अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

पटना में गंगा घाटों का जायजा लेने निकले सीएम नीतीश कुमार, अधिकारियों के साथ कर रहे निरीक्षण

पटना (एजेंसी)। महापर्व छठ को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को पटना के गंगा घाटों का जायजा लेने निकले। उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद समेत तमाम आला अधिकारियों के साथ उन्होंने अलग-अलग घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान संपर्क पथ, सुरक्षा समेत अन्य बिंदुओं पर जरूरी निर्देश दिए।

गांधी घाट से स्टीमर पर सवार होकर सीएम निकले। गंगा के बढ़े जलस्तर को लेकर अधिकारियों से उन्होंने बात की। बता दें कि लोक आस्था के महापर्व को लेकर राज्य सरकार की ओर से तैयारी की जा रही है। घाटों की सफाई के साथ ही संपर्क पथ की मरम्मत, दलदली जगहों पर मिट्टी भरे जा रहे हैं। नदी का जलस्तर अधिक रहने को देखते हुए बैरिकेडिंग भी की जा रही है। इन्हीं तमाम बिंदुओं का जायजा लेने सीएम निकले हैं। चार दिवसीय महापर्व आठ नवंबर को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। सीएम के साथ मुख्य सचिव दीपक कुमार, आनंद किशोर, कमिश्नर संजय अग्रवाल, डीएम चंद्रशेखर सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लालू यादव छह साल बाद चुनावी रैली में दहाड़े, खराब सेहत पर भारी दिखा समर्थकों से मिलने का उत्साह

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव छह साल के बाद आज यानी 27 अक्टूबर को चुनावी सभा के मंच पर दिखे। इन छह वर्षों में लालू की सेहत और दमखम पहले की तरह नहीं रहा, लेकिन उनकी शैली और उत्साह बिल्कुल पहले की तरह ही दिखा। चारा घोटाले के मामले में साढ़े तीन साल तक जेल की सजा काटने के बाद जमानत पर बाहर निकले लालू ने अपनी पहली चुनावी सभा मुंगेर जिले के तारापुर में की। इस दौरान उन्होंने हाथ हिलाकर अपने समर्थकों का अभिवादन किया और उनका उत्साह बढ़ाया। हम आपको लालू की सभा में इन छह साल के बीच हुए बदलाव और कई रोचक तथ्यों की जानकारी देंगे। आखिरी बार 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू ने चुनावी सभाओं को संबोधित किया था। तब उनकी पार्टी राजद का जदयू के साथ गठबंधन था। वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ और अकेले भी चुनावी सभाएं करते थे। तब राजद की कमान पूरी तरह लालू यादव के हाथ में थी, लेकिन अब पार्टी का मुख्य चेहरा धीरे-धीरे उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव बनते जा रहे हैं।

लालू ने अपने दोनों बेटों तेजस्वी और तेज प्रताप को 2015 के विधानसभा चुनाव में ही राजनीति के मंच पर लांच किया था। तब पिता के पीछे-पीछे चलने वाले तेजस्वी यादव अब राज्य की राजनीति में काफी आगे बढ़ गए हैं। लालू ने अपनी राजनीतिक विरासत काफी हद तक उन्हें सौंप दी है। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में लालू-राबड़ी की बड़ी बेटी मीसा भारती की राजनीतिक लांचिंग हुई थी। 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू यादव ने बिहार के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 250 चुनावी सभाएं की थीं। उनका निशाना भाजपा थी। यह सब तब हुआ था जब महज एक साल पहले यानी 2014 में उनका हार्ट का बड़ा आपरेशन हुआ था। लालू तब अपने दोनों बेटों को साथ लेकर चुनावी सभाओं में जाते थे। लालू ने कहा था कि वे बीजेपी को छठी का दूध याद दिला देंगे। इस चुनाव में राजद-जदयू गठबंधन की जीत हुई थी।

नौकरी छूटी तो देह व्यापार रैकेट से जुड़ गई महलिा, मुजफ्फरपुर का मामला जानकर चौक जाएंगे

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। कांटी थाना क्षेत्र के एक युवक ने पत्नी पर हरियाणा के गुरुग्राम के देह व्यापार रैकेट में शामिल होने का आरोप लगाया है। उसमें कई लड़कियां व लड़के शामिल हैं। इस रैकेट से बाहर निकालने के लिए जब वह पत्नी को लेकर ससुराल आया तो वहां से वह गायब हो गई। उसने रैकेट के शामिल लड़के-लड़कियों पर अपहरण करने का आरोप लगाया है। उसने कांटी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इधर, मंगलवार को पत्नी को पुलिस ने कोर्ट के समक्ष पेश किया। अपने बयान में पत्नी ने अपहरण किए जाने से इन्कार किया है। कांटी थाना में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में युवक ने कहा है कि नौ वर्ष पहले उसकी शादी हुई थी। उसे सात साल की एक बेटी है। वह पत्नी व बेटी के साथ हरियाणा के गुरुग्राम में रहते थे। वह ड्राइवर का काम करता था और पत्नी एक माल में काम करती थी। उसका खुशहाल परिवार था। 2020 में लाकडाउन में दोनों की नौकरी छूट गई। पत्नी उसी दौरान एक देह व्यापार रैकेट के जाल में फंस गई। उसके संपर्क में तीन युवतियां व एक युवक था। उसकी पत्नी व अन्य युवक-युवतियां छद्मनाम से धंधा करते थे। ये सभी गरीब लड़कियों को फंसाकर अपने रैकेट में शामिल कर लेते थे, फिर नशा खिलाकर धंधा में उतार देते थे। जब उसे इसका पता चला तो पत्नी को पहले समझाने का प्रयास किया। कोई सुधार नहीं होने पर उसे व बेटी को लेकर 14 अगस्त को ससुराल देवरिया आ गया। 29 सितंबर को पत्नी वहां से गायब हो गई। कोर्ट के समक्ष युवक की पत्नी ने कहा कि जुलाई में वह पति के साथ मायके आ गई। यहां करीब डेढ़ महीने तक बेरोजगार रही। पति से वापस गुरुग्राम चलने को कही तो उन्होंने इन्कार कर दिया। पति ने कहा जो करेंगे यहीं करेंगे। 29 सितंबर को वह बिना किसी को बताए स्वयं गुरुग्राम चली गई। उसके साथ कोई जबरदस्ती या अपहरण नहीं हुआ। गुरुग्राम में वह डाटा इंट्री आपरेटर का काम करने लगी। इस बीच कांटी थाना पुलिस की काल उसके पास आई। उसने इससे पति को अवगत कराया। पति वहां पहुंचे और उनके साथ यहां आ गई। उसने कोर्ट के समक्ष पति के साथ जाने की इच्छा जताई। कोर्ट ने इसकी अनुमति दे दी।

सठौराकांड में मोतिहारी शहर से दो गिरफ्तार, अन्य आरोपितों ने नेपाल में ली शरण

पूर्वी चंपारण (एजेंसी)। जितना थाना क्षेत्र के सठौरा गांव में सोमवार की शाम बेटी की ससुराल में स्वजनों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग कर दामाद की हत्या करने तथा उसके परिजनों को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर देने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में गुड्डू सिंह और जितेंद्र सिंह शामिल हैं। दोनों को मोतिहारी शहर के शांतिपुरी मुहल्ले से गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस कांड के अन्य आरोपितों के नेपाल में शरण लेने की सूचना है। इस बीच घटना की वैज्ञानिक जांच के लिए मुजफ्फरपुर से फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) टीम घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंचनेवाली है। यहां बता दें कि जितना थाना क्षेत्र के सठौरा गांव में सोमवार की देर शाम गांव के रिटायर्ड फौजी मनोरंजन सिंह ने अपने स्वजनों के साथ अपनी ही बेटी पूजा की ससुराल में जमकर कोहराम मचाया। घर पर धावा बोल अंधाधुंध फायरिंग की जिसमें उसके दामाद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं उसने बेटी, समधी व समधिनी को मारपीट कर तथा धारदार हथियार से गंभीर रूप से घायल कर दिया। सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नरेंद्र मोदी की हुंकार रैली में धमाके करने वाले नौ आतंकी दोषी करार, कोर्ट ने एक को किया रिहा

पटना (एजेंसी)। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी की चुनावी सभा के दौरान गांधी मैदान और पटना जंक्शन सहित शहर के कई इलाकों में सिलसिलेवार धमाके करने वाले नौ आतंकियों को एनआइए कोर्ट एक नवंबर को सजा सुना देगी। कोर्ट ने इस मामले में एक आरोपित फकरुद्दीन को रिहा कर दिया है। वहीं, हैदर अली, नुमान अंसारी, मजीबुल्लाह, उमर सिद्दिकी, फिरोज असलम, इम्तियाज आलम सहित नौ को सजा सुनाने के लिए तारीख मुकर्रर कर दी है। आपको बता दें कि आठ साल पहले आज ही के दिन पटना में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। यह तब हुआ था जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद पटना के गांधी मैदान में हुंकार रैली को संबोधित करने आए थे। आज से ठीक आठ साल पहले पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में नरेन्द्र मोदी की हुंकार रैली में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। मोदी तब भारतीय जनता पार्टी की ओर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे। इसके अलावा पटना जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 10 पर भी बम धमाका हुआ था। इन धमाकों में छह लोगों की मौत हुई थी। जबकि, 80 से अधिक लोग घायल हुए थे। संयोग देखिए कि ठीक इसी तारीख को आठ साल बाद बुधवार को एनआइए की विशेष कोर्ट ने दोषियों को चिह्नित कर लिया है। इस मामले में अब तक कोर्ट में 187 लोगों की सुनवाई हो चुकी है। इसी माह की छह तारीख को एनआइए की विशेष अदालत ने बचाव और अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में दिए गए लिखित तर्क के बाद फैसले की तारीख 27 अक्टूबर निर्धारित की थी। इस मामले में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो चुकी है। आज सुबह सभी आरोपितों को एनआइए कोर्ट में पेश किया गया। करीब एक घंटे की सुनवाई के बाद कोर्ट ने नौ लोगों को दोषी करार दिया। मामले की जांच कर रही एनआइए की टीम ने 2014 में मुख्य आरोपित रांची निवासी इम्तियाज अंसारी समेत 10 के खिलाफ एनआइए कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। सभी आरोपितों को बेउर जेल में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। गांधी मैदान सीरियल ब्लास्ट मामले की प्राथमिकी 27 अक्टूबर, 2013 को पटना के गांधी मैदान थाने में दर्ज की गई। इसके बाद 31 अक्टूबर, 2013 को एनआइए ने केस संभाला और एक नवंबर को दिल्ली एनआइए थाने में इसकी फिर से प्राथमिकी दर्ज की गई। इसमें नाबालिग समेत 12 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था। उनमें एक की मौत इलाज के दौरान ही हो गई थी। वहीं जुवेनाइल बोर्ड द्वारा नाबालिग आरोपित को पहले ही तीन वर्ष की कैद की सजा सुनाई जा चुकी है। इस मामले में आरोपित पांच आतंकियों को अन्य मामले में पहले ही उम्रकैद की सजा दी जा चुकी है। इसमें उमर सिद्दीकी, अजहरुद्दीन, अहमद हुसैन, फकरुद्दीन, फिरोज आलम उर्फ पप्पू, नुमान अंसारी, इफ्तिखार आलम, हैदर अली उर्फ अब्दुल्ला उर्फ ब्लैक ब्यूटी, मो. मोजीबुल्लाह अंसारी व इम्तियाज अंसारी उर्फ आलम शामिल हैं। इनमें से इम्तियाज, उमेर, अजहर, मोजिबुल्लाह और हैदर बोधगया सीरियल बम ब्लास्ट में भी उम्रकैद की सजा हो चुकी है। गांधी मैदान विस्फोट में पटना से गिरफ्तार इम्तियाज रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र के सीठियो इलाके का रहने वाला है। जांच टीम के अनुसार, इसी के घर पर सीरियल ब्लास्ट की साजिश रची गई थी। जांच टीम का कहना है कि उसने बताया था कि मुजफ्फरनगर दंगे का बदला लेने के लिए ये धमाके किए गए थे।

लालू-राबड़ी राज में सीएम आवास में रची जाती थी हत्या की साजिश

बिहार के पूर्व सीएम मांझी का बड़ा बयान

पटना (एजेंसी)। बिहार में मंगलवार को राजनीतिक पारा चढ़ गया है। पहले नीतीश पर लालू ने बयान दिया कि मैं उनका विसर्जन करने आया हूं, अब राजद सुप्रीमो के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने बड़ा बयान दिया है। मांझी ने कुशेश्वरस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि लालू-राबड़ी राज के दौरान मुख्यमंत्री आवास में हत्या की साजिश रची जाती थी। उन्होंने कहा कि राजद के शासन काल में सूटकेस में भर-भरकर पैसे सीएम आवास में जाते थे। मांझी ने कहा कि इस भ्रष्टाचार का मैं स्वयं गवाह हूं।

मांझी मंगलवार को कुशेश्वरस्थान के ग्यासपुर में एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी अमन भूषण हजारी के समर्थन में आयोजित सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं उनके (लालू-राबड़ी) साथ सरकार में रहा हूं। तब मैंने देखा था, हत्या की साजिश एक अणे मार्ग में होती थी और सूटकेस पहुंच जाता था। अगले दिन जब हत्या होती थी तो वो वहां पहुंच जाते थे। आज भी जो आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, उनमें से 70 प्रतिशत में राजद के लोग शामिल होते हैं। मांझी ने कहा कि कांग्रेस नेता भक्त चरण दास को भकचोन्हर कहकर लालू ने पूरी अनुसूचित जाति का अपमान किया। उन्होंने कहा कि लालू अपने बयान पर माफी नहीं मांगेंगे, मैं उन्हें जानता हूं। उनके लिए अपना परिवार ही मुख्य है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए पूरा बिहार उनका परिवार है। मांझी ने कहा कि लालू तो कहते थे सुअर चरानेवाले, भैंस चरानेवाले.... पढ़ो और खोल दिया चरवाहा विद्यालय। लालू तो हम सबको चरवाहा बनाना चाहते थे।

सुशासन की सरकार आई तो स्कूलों की दशा बदली। नए स्कूल खुले और शिक्षा का संचार हुआ। मांझी ने तेजस्वी यादव पर भी हमला किया। कहा कि नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि चुनाव को जीतने के बाद सरकार बदल देंगे। कौन गणित पढ़े हैं कि संख्या बल भी नहीं समझ आ रहा। जबतक जीतन राम मांझी है, मुकेश सहनी हैं, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही रहेंगे। सपने देखना छोड़ दें।

बिहार में पंचायतों के फंड से खरीदे जाएंगे अस्पतालों के लिए उपकरण

नगर निकाय से भी राशि का होगा इस्तेमाल

पटना (एजेंसी)। बिहार के ग्रामीण और शहरी अस्पतालों की सेवाओं में सुधार के लिए पंचायत और शहरी निकाय जन प्रतिनिधि फंड से चालू वित्तीय वर्ष से लेकर 2026-27 तक 6017 करोड़ खर्च होंगे। केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग की अंतिम रिपोर्ट यह प्रविधान किया गया है। पंचायतों और शहरी निकाय क्षेत्र के अस्पतालों के निर्माण और सेवाओं के सुधार करने में इस राशि को खर्च किया जाएगा। केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा पहली बार पंचायत और नगर निकायों की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए राशि का आवंटन किया गया है। इसको लेकर आयोग ने पंचायती राज विभाग और नगर विकास एवं आवास विभाग को राशि प्राप्त करने के लिए अलग शीर्ष खोलने का निर्देश दिया है। इस राशि से गांव और शहरी निकायों में डायग्नोस्टिक सेंटर, प्राइमरी हेल्थ केयर, स्वास्थ्य उप केंद्र, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, प्रखंड स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की जाएगी। पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंचायत एवं निकायों के स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास के लिए 15वें वित्त आयोग ने बिहार के लिए 6017 करोड़ का आवंटन किया है। इसके तहत स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2021- 22 में 1133.10 करोड़, 20 22-23 में 1133.10 करोड़, 2023- 24 में 1189 करोड़, 2024 25 में 1249.20 करोड़ और 2025 26 में 1311.96 करोड़ मिलेगा। इस राशि से स्वास्थ्य उप केंद्र के विकास पर 834.41 करोड़ की राशि तय गई है। इसी तरह से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 917.72 करोड़, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के विकास पर 229.40 करोड़, प्रखंड स्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 262.69 करोड़, शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 984.67 करोड़, स्वास्थ्य उप केंद्र, पीएचसी व सीएचसी के विकास पर 1748.28 करोड़, ग्रामीण क्षेत्र के स्वास्थ्य उपकेंद्र व पीएचसी पर 1039.78 करोड़ खर्च होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पंचायती राज मंत्री गिरीराज सिंह और 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह को विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

माह भर बाद भी कमरे से बाहर नहीं निकली मनीष की कहानी

गोरखपुर (एजेंसी)। कानपुर के व्यापारी मनीष गुप्ता हत्याकांड को एक माह बीच चुका है। एसआइटी ने इस मामले की जांच भी कर ली। इंस्पेक्टर जगत नारायण सहित छह पुलिस कर्मियों को जेल भेज दिया गया। बावजूद इसके बीते 27 सितंबर की रात होटला कृष्णा पैलेस के कमरा नंबर 512 की पूरी कहानी बाहर नहीं आ सकी। अभी यह ज्ञात नहीं हो सका है कि मनीष पर हमला कितने लोगों ने किया था। हत्या के बाद होटल के कमरे से खून के निशान किसने मिटाए। तौलिये में खून किसने पोछा और किसने उसे बेड के नीचे छिपा दिया था।

घटना के बाद पुलिस कर्मियों का सहयोग करने अन्य लोगों की क्या भूमिका रही, अभी इन सवालों के जवाब नहीं मिल सके हैं। बीता माह कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता के परिवार के लिए बेहद भारी पड़ा है। मनीष अपने दोस्तों के साथ गोरखपुर घूमने आए थे और यहां पुलिस की पिटाई से उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मनीष की पत्नी मीनाक्षी गुप्ता ने पुलिस कर्मियों पर मारपीट का आरोप लगाया। इंस्पेक्टर जगत नारायण समेत छह पुलिस कर्मी निलंबित कर दिए गए। पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की जांच के लिए एसआइटी गठित कर दी गई। एसआइटी की जांच पूरी भी हो गई, लेकिन अभी तक यह ज्ञात नहीं हो सका कि एसआइटी की जांच रिपोर्ट है क्या। घटना को लेकर कई सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं। मनीष को इलाज के लिए आरोपित पुलिस कर्मी मानसी हास्पिटल गए थे, फिर पुलिस कर्मियों ने जीडी (जनरल डायरी) में जिला अस्पताल ले जाने की बात क्यों लिखी? आरोपितों को मानसी हास्पिटल से मेडिकल कालेज ले जाने में करीब सवा घंटे विलंब क्यों हुआ, सहित कई सवाल ऐसे हैं, जिस पर अभी भी लोगों की उत्सुकता बनी हुई है। प्रदेश सरकार ने घटना के बाद मनीष के स्वजन को 40 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी। मनीष की पत्नी मीनाक्षी को कानपुर विकास प्राधिकरण में ओएसडी के पद पर नौकरी। मीनाक्षी ने बीते 12 अक्टूबर को ओएसडी का पद भार ग्रहण किया। मनीष की हत्या के बाद एसआइटी सीन रिक्रिएट कराकर यह पता लगाने की कोशिश में थी कि घटना की रात कब क्या हुआ था। एसआइटी ने सीन रिक्रिएशन के लिए मनीष के दोस्त हरबीर व प्रदीप को बुलाया था, लेकिन वह गोरखपुर आने को तैयार नहीं हैं। वह डर की बात कहकर अपने बचाव में लगे हुए हैं।

बिहार में गजब है गाड़ियों का फिटनेस टेस्ट करने की व्यवस्था, यहां फेल होने की गुंजाइश नहीं के बराबर

पटना (एजेंसी)। बिहार में गाड़ियों की फिटनेस जांच की व्यवस्था सवालों के घेरे में है। राज्य में फिटनेस जांच के लिए उपकरणों की व्यवस्था नहीं है, बावजूद 97 प्रतिशत व्यावसायिक गाड़ियां फिट बताकर चलाई जा रही हैं। एक प्रतिशत से भी कम गाड़ियों को ही फिटनेस में फेल किया जा रहा है, जबकि दो फीसदी गाड़ियों को फिटनेस देने का मामला लंबित है। फिटनेस जांच के लिए सरकार की ओर से कई मानक तय किए गए हैं। परिवहन विभाग के अधिकारियों को फिटनेस प्रमाण पत्र देने के लिए पहले उन मानकों की जांच करना है, लेकिन अधिकारियों के पास जांच के लिए एक भी मशीन नहीं है। बिना गाड़ी की जांच किए सिर्फ कागजात देखकर फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है। इस साल महज 43 तीनपहिया गाड़ियों व 35 बसों को फिटनेस में फेल किया गया है। इसी तरह ट्रैक्टर का व्यावसायिक उपयोग करने वाले 49 व ट्रेलर का व्यावसायिक उपयोग करने वाले 25 को फिटनेस में फेल किया गया है। सामान ढोने वाले 64 तो कैब में लगी 12 गाड़ियों को ही फिटनेस में फेल बताया गया है। नियमानुसार नई कामर्शियल गाड़ियों को आठ सालों तक हर दो साल साल पर फिटनेस प्रमाण पत्र लेना होता है। आठ साल से पुरानी गाड़ी होने पर प्रत्येक साल फिटनेस जांच की जरूरत होती है। वहीं,निजी गाडियों को 15 वर्षों के बाद फिटनेस प्रमाण पत्र की जरूरत होती है। नई पालिसी के तहत इसमें भी बदलाव की तैयारी है। प्रमाण पत्र जारी करने के पहले गाड़ी का इंजन, उसकी फ्रंट और बैक लाइट की जांच की जाती है।

पांचवें चरण में कई विधायकों के स्वजन हारे, गांव की सरकार में बड़े उलटफेर

पटना (एजेंसी)। बिहार में पंचायत और ग्राम कचहरियों के लिए 24 अक्टूबर को हुए पांचवें चरण का चुनाव परिणाम मंगलवार को आ गया। पिछले चार चरणों की तरह पांचवें चरण में भी कई विधायकों के स्वजन चुनाव हार गए हैं। पराजित होने वाले में कई निवर्तमान पंचायत-प्रतिनिधि भी शामिल हैं। राजधानी पटना में जिला परिषद की अध्यक्ष अंजू देवी चुनाव हार गई हैं। भ्रष्टाचार और अनुशासन से संबंधित मामले में सरकार ने पहले ही उन्हें बर्खास्त कर दिया था। गोपालगंज में जदयू विधायक पप्पू पांडेय के भतीजे मुकेश पांडेय जिला परिषद का चुनाव हार गए हैं। मुकेश जिला परिषद के अध्यक्ष थे। हथुआ में चैनपुर पंचायत में भाजपा के दिवंगत नेता कृष्णा शाही की बहन बबीता शाही ने अपनी भाभी शांता शाही को पटकनी दे दी। कृष्णा शाही की पत्नी चुनाव हार गई। बेगूसराय जिला में बखरी प्रखंड की घाघड़ा पंचायत से भाकपा विधायक सूर्यकांत पासवान के भाई रविकांत पासवान चुनाव हार गए हैं।

रविकांत को मुखिया पद के लिए तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। भोजपुर जिला में माले विधायक मनोज मंजिल की पत्नी शिला देवी जिला परिषद का चुनाव हार गईं। सारण जिला में तरैया के विधायक जनक सिंह के भतीजे पप्पू सिंह रामपुर अटौली पंचायत के मुखिया का चुनाव हार गए हैं। गया जिला में पूर्व शिक्षा मंत्री कृष्णनंदन वर्मा की समधन मंजू देवी जिला परिषद का चुनाव हार गई हैं। वैशाली जिला में बिदुपुर प्रखंड की सैदपुर गणेश पंचायत में एक दंपती को उल्लेखनीय सफलता मिली है।

बीपीएससी ने सीडीपीओ परीक्षा के लिए जारी किए विशेष निर्देश, माइनिंग अफसर के लिए होगा इंटरव्यू

पटना (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) की परीक्षा के लिए तिथि घोषित कर दी है। इस बाबत आयोग के संयुक्त सचिव सह परीक्षा नियंत्रक अमरेंद्र कुमार ने अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही खनिज विकास पदाधिकारी के पदों के लिए इंटरव्यू का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। आयोग की ओर से यह परीक्षा छह फरवरी 2022 को संभावित की गई है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि परीक्षा प्रशासनिक कारणों से परीक्षा की तिथि में भी बदलाव हो सकता है। आयोग की ओर से राज्य में सीडीपीओ की 55 सीटों के लिए मार्च 2021 में वैंकेंसी जारी की गई थी। इसमें सामान्य के 22, ईडब्ल्यूएस के पांच, अनुसूचित जाति के नौ, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के 11, पिछड़ा वर्ग के लिए छह और पिछड़ा वर्ग की महिला के लिए दो सीट निर्धारित है। बिहार लोक सेवा आयोग ने खनिज विकास पदाधिकारी के लिए लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के लिए 16 नवंबर को साक्षात्कार लेगा।

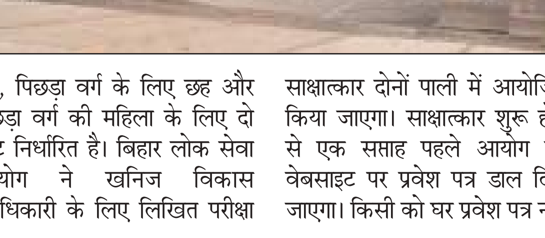

साक्षात्कार दोनों पाली में आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार शुरू होने से एक सप्ताह पहले आयोग की वेबसाइट पर प्रवेश पत्र डाल दिया जाएगा। किसी को घर प्रवेश पत्र नहीं भेजा जाएगा। आयोग के संयुक्त सचिव सह परीक्षा नियंत्रक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि बीते सप्ताह खनिज विकास पदाधिकारी के 20 पदों के लिए हुई लिखित परीक्षा का परिणाम जारी किया गया था। अब साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दिया गया है।

साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर दिए गए निर्धारित प्रपत्र को भर कर लाना होगा। इसके अतिरिक्त परीक्षा के समय मांगे गए सभी कागजातों की मूल कापी भी अभ्यर्थियों को साथ लाने होंगे। इसके अतिरिक्त सभी प्रमाण पत्रों के दो सेट की छायाप्रति की स्वभिप्रमाणित प्रति लाने होंगे। सभी प्रमाण पत्र आनलाइन आवेदन के अंतिम तिथि से पहले के होनी चाहिए।

पाकिस्तानी गेंदबाजों ने 'डेथ ओवरों' में शानदार गेंदबाजी की: विलियमसन

शारजाह (एजेंसी) । न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने पाकिस्तान के गेंदबाजों के 'बेहतरीन' प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि 'डेथ ओवरों' में उनका प्रदर्शन उच्च स्तर का था। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के सुपर 12 के ग्रुप दो मैच में न्यूजीलैंड को आठ विकेट पर 134 रन ही बनाने दिये और फिर 18.4 ओवर में पांच विकेट से जीत दर्ज की। यह उसकी लगातार दूसरी जीत है। तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने 22 रन देकर चार विकेट लिये जबकि स्पिनर इमाद वसीम और शादाब खान ने बीच के ओवरों में बल्लेबाजों पर अंकुश लगाकर अपना योगदान दिया। विलियमसन ने कहा, ''दुर्भाग्य से हम अपनी रणनीति के अनुसार नहीं खेल पाये और अगर हम विरोधी टीम पर गौर करें तो डेथ ओवरों में उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की और हमें मौका नहीं दिया। उनकी गेंदबाजी उच्च स्तर की थी। हमें इस हार से कुछ सबक लेकर आगे बढ़ना होगा। '' उन्होंने कहा, ''इस तरह के अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिलता है लेकिन पाकिस्तान ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया तथा मुश्किल विकेट पर अच्छी तरह से मैच का अंत किया।'' विलियमसन ने कहा, ''उनके गेंदबाजों ने आज शानदार प्रदर्शन किया जैसा कि उन्होंने पहले मैच (भारत के खिलाफ) में किया था और उनसे ऐसी उम्मीद थी। वे लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।'' भारत के खिलाफ पाकिस्तानी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया था। शाहीन शाह अफरीदी ने भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोर कर उसे दबाव में ला दिया था।

शीर्ष वरीयता प्राप्त सिटसिपास, जेवरेव सीधे सेटों में जीते

वियना (एजेंसी) । स्टेफानोस सिटसिपास ने तीन सेट प्वाइंट बचाकर एरेस्टे बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ग्रिगोर दिमित्रोव को 7-6 (6), 6-4 से हराया जबकि ओलंपिक चौंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके आगे बढ़ने में सफल रहे। जेवरेव दूसरे सेट में एक समय 2-5 से पीछे चल रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने अच्छी वापसी की ओर फिलिप क्राजिनोविच को 6-2, 7-5 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिटसिपास पहले सेट के टाईब्रेकर में एक समय 6-3 से पीछे चल रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक बनाकर यह सेट अपने नाम किया और फिर दूसरे सेट में पहले मैच प्वाइंट पर ही जीत दर्ज की।

यूनान के इस खिलाड़ी का अगला मुकाबला फ्रांसिस टिफो से होगा जिन्होंने डुसान लाजोविच को 6-4, 6-4 से पराजित किया। अन्य मैचों में चौथी वरीयता प्राप्त कास्पर रुड ने लॉयड हैरिस को 7-5, 7-6 (2) से और कैमरन नोरी ने मार्टन फुस्कोविक्स को 7-6 (4), 6-1 से हराया। छठी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने रिकार्डस बेरंकिस को 6-3, 6-2 से जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले आस्ट्रियाई डेनिस नोवाक ने इटली के क्वालीफायर जियानलुका मैगर को 7-6 (4), 7-6 (4) से पराजित किया।

वकार यूनिस ने 'हिंदुओं के सामने नमाज' वाली टिप्पणी पर माफी मांगी

कराची (एजेंसी) । वकार यूनिस ने टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान की भारत पर 10 विकेट से जीत के बाद एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान की गयी अपनी सांप्रदायिक टिप्पणी के लिये बुधवार को माफी मांगी क्योंकि इस पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज की 'जिहादी मानसिकता' के लिये सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना की गयी थी। वकार ने एक खेल चौनल पर न सिर्फ इस मैच को लेकर बात की बल्कि सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान द्वारा पाकिस्तानी पारी में ब्रेक के दौरान मैदान पर नमाज अदा करने पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, ''रिजवान ने जो किया वह मुझे सबसे अच्छा लगा। उसने हिंदुओं के बीच में खड़े होकर नमाज अदा की। यह मेरे लिये बहुत खास बात थी।'' वकार की टिप्पणी पर दोनों देशों में कड़ी प्रतिक्रिया हुई तथा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने इसके लिये उन्हें कड़ी फटकार लगायी। वेंकटेश प्रसाद ने ट्वीट किया, ''खेल में ऐसी बात करके जिहादी मानसिकता एक अलग स्तर पर पहुंचती है। क्या बेशर्म इंसान है।''

वकार को जब अपनी गलती का अहसास हुआ तो उन्होंने माफी मांगी। वकार ने ट्वीट किया, ''अति उत्साह के उन पलों में मैंने कुछ कहा जिसका मतलब लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। मैं इसके लिये माफी मांगता हूं। मेरा इरादा ऐसा कतई नहीं था, यह वास्तव में गलती है। खेल जाति, रंग या धर्म की परवाह किये बिना लोगों को एकजुट करता है। '' उन्होंने उस चौनल पर भी माफी मांगी थी। वकार ने कहा, ''धार्मिक मामलों में टिप्पणी करना ऐसा है जो मैं कभी नहीं करता क्योंकि मैं हर किसी के धर्म का सम्मान करता हूं। मैं उस समय अति उत्साह में कुछ कह गया और मेरा मतलब पाकिस्तान, भारत और दुनिया में कहीं भी हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''मैं पाकिस्तान की जीत के बाद बेहद उत्साहित था और उसी प्रवाह में यह सब कह गया। मैं इसके लिये माफी मांगता हूं। '' मशहूर क्रिकेट विश्लेषक हर्षा भोगले ने भी वकार की टिप्पणी पर निराशा व्यक्त की थी। भोगले ने ट्वीट किया, ''वकार जैसे व्यक्ति का यह कहना कि रिजवान का हिंदुओं के सामने नमाज अदा करना उनके लिये बहुत खास था, बेहद निराशाजनक है। हम में से कई ऐसी चीजों को तवज्जो नहीं देने की कोशिश करते हैं और खेलों पर बात करते हैं और ऐसे में ऐसा सुनना दिल दुखाने वाला है।

पाकिस्तान से भारत की हार के बाद, हरभजन और आमिर के बीच ट्विटर वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान द्वारा भारत के हारने के बाद पाक के कई पूर्व क्रिकेटरों द्वारा बेतुका बयान दिए जा रहे हैं। ऐसा ही एक बयान को लेकर भारतीय पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और पाकिस्तान के गेंदबाज मोहम्मद आमिर के बीच ट्विटर वार देखने को मिला है। ट्विटर वार के दौरान, दोनों के बीच 8 ट्वीट किए गए। इस बीच, हरभजन ने आमिर को 2010 में इंग्लैंड में स्पॉट फिक्सिंग कांड के बारे में भी याद दिलाई, जिसके कारण पाकिस्तान के तीन क्रिकेटरों मोहम्मद आमिर, मोहम्मद आसिफ और सलमान बट पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने पर पांच साल के लिए आईसीसी ने प्रतिबंध लगा दिया गया था। ट्विटर वार की शुरुआत आमिर ने हरभजन को ट्वीट करके की, उन्होंने लिखा, पाकिस्तान के 10 विकेट से जीतने पर हरभजन पाजी ने अपना टीवी तो नहीं तोड़ा? इसके जवाब में हरभजन ने लिखा, अब तुम भी बोलोगे आमिर, ये 6 की लैंडिंग तुम्हारे घर पर तो नहीं हुई है, आखिर क्रिकेट का खेल है। इसके साथ हरभजन ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें आमिर की गेंद पर छक्का मारते नजर आ रहे हैं।

एशेज में बेन स्टोक्स की वापसी पर स्मिथ ने जताई खुशी

दुबई (एजेंसी) । दिसंबर से होने वाले एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में बेन स्टोक्स की वापसी हो चुकी है। उनकी वापसी को लेकर कई पूर्व क्रिकेटरों और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने उन्हें बधाई दी है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बुधवार को इंग्लैंड के हरफनमौला बेन स्टोक्स की तारीफ करते हुए कहा कि उनका इंग्लैंड टीम में वापसी लौटना अच्छी बात है।

स्टोक्स अपनी मेंटल हेल्थ और उंगली की चोट के कारण कई महीनों से क्रिकेट से दूर थे। लेकिन हाल ही में इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की थी कि इंग्लैंड के ऑल राउंडर बेन स्टोक्स पूरे एशेज सीरीज के लिए टीम में चुने गए है, जो 8 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया के गाबा में पहला टेस्ट खेला जाएगा।

स्मिथ ने बुधवार को स्पोर्ट्स और इंटरनेट नेटवर्क (सेन 1170 ड्राइव) पर कहा, अच्छे खिलाड़ियों के सामने खेलना हमेशा अच्छा होता है। स्टोक्स के आने से इंग्लैंड की टीम काफी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि चोट और अन्य परेशानियों के कारण स्टोक्स का क्रिकेट से दूरी बनाने का फैसला अच्छा था। इससे उनको फायदा मिलेगा।

आस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम की नाकामी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा श्रीलंका

दुबई (एजेंसी)। पूर्व चौंपियन श्रीलंका आईसीसी टी20 विश्व कप सुपर 12 के ग्रुप एक के गुरुवार को होने वाले मैच में आस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की लचर फॉर्म का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

श्रीलंका ने 2014 में खिताब जीता था लेकिन इस बार उसे क्वालीफायर्स में खेलना पड़ा जहां वह तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहा। इसके बाद उसने सुपर 12 के अपने पहले मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। दूसरी तरफ अब तक टी20 विश्व कप नहीं जीत पाने वाले आस्ट्रेलिया को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 119 रन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिये ही संघर्ष करना पड़ा था। उसका स्कोर एक समय तीन विकेट पर 38 रन था और वह आखिरी ओवर में जीत दर्ज कर पाया था। कप्तान आरोन फिंच खाता भी नहीं खोल पाये जबकि पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिये जूझ रहे डेविड वार्नर फिर से सस्ते में पवेलियन लौट गये। मिशेल मार्श का बल्ला भी नहीं चल रहा है। आस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत की सख्त दरकार है और इसके लिये वह फिंच और वार्नर पर निर्भर है। अगर आस्ट्रेलिया को श्रीलंकाई स्पिनरों से पार पाना है तो इन दोनों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। स्टीव स्मिथ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पारी संवारी थी और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिये उनका प्रदर्शन काफी मायने रखेगा। फिंच को मार्श से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। आस्ट्रेलिया के लिये अच्छी

खबर यह है कि ग्लेन मैक्सवेल ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में इंडियन प्रीमियर लीग की अपनी फॉर्म बरकरार रखी है। उन्होंने पिछले मैच में चार ओवर में एक विकेट लेकर कप्तान को विकल्प मुहैया कराये हैं। लेकिन श्रीलंकाई टीम में अच्छे स्पिनर हैं और ऐसे में यहां की धीमी पिच पर आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिये रन बनाना आसान नहीं होगा। चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ नहीं खेल पाने वाले महीश दीक्षणा की वापसी से टीम का मनोबल बढ़ेगा। लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा का प्रदर्शन भी श्रीलंका के लिये काफी मायने रखेगा। आस्ट्रेलिया का दारोमदार अपने तेज गेंदबाजों पर टिका रहेगा। जोश हेजलवुड ने आईपीएल चौंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से अपनी काबिलियत साबित की। उनके साथ मिशेल स्टार्क और पैट कमिन्स श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिये परेशानी खड़ी कर सकते हैं। यदि आस्ट्रेलिया शुरू में विकेट हासिल कर लेता है तो श्रीलंका दबाव में आ जाएगा। सलामी बल्लेबाज कुसाल परेरा खतरनाक साबित हो सकते हैं लेकिन हेजलवुड और उनके साथियों के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी। कप्तान दासुन शनाका को चरित असलंका, पथुम निसांका और अविष्का फर्नांडो से भी अच्छे योगदान की उम्मीद रहेगी। असलंका ने पिछले मैच में टीम की जीत में अहम भूमिका निभायी थी। ऐसी परिस्थितियों में मैच का परिणाम काफी हद तक दोनों टीमों के बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। टीमें इस प्रकार हैं: आस्ट्रेलियाः आरोन फिंच (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिन्स (उपकप्तान), जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मिशेल स्वेपसन, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा। श्रीलंकाः दासुन शनाका (कप्तान), कुसल जनीथ परेरा, दिनेश चांदीमल, धनंजय डि सिल्वा, पथुम निसंका, चरिथ असलंका, अविष्का फर्नांडो, भानुका राजपक्षे, चमिका करुणारत्ने, वानिन्दु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा, लाहिरु कुमारा, महेश दीक्षणा, बिनुरा फर्नांडो।

जीतकर बहुत अच्छा लग रहा, हम आत्मविश्वास बढ़ाने की कोशिश करेंगे: पाक कप्तान बाबर

शारजाह (एजेंसी) । न्यूजीलैंड पर पांच विकेट से जीत के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने मंगलवार को कहा कि यह जीत शानदार है और उनकी टीम आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के आगामी मैचों में आत्मविश्वास को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी। हारिस रऊफ की शानदार गेंदबाजी के बाद आसिफ अली और शोएब मलिक की लेट ब्लिट्ज की मदद से पाकिस्तान ने मंगलवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में पुरुष टी 20 विश्व कप 2021 के सुपर 12 मैच में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया। इस जीत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट में दो मैचों में दो जीत के साथ ग्रुप 2 के शीर्ष पर अफगानिस्तान से ऊपर वापस भेज दिया। बाबर ने कहा, जीतने के लिए बहुत अच्छा लग रहा है और हम आत्मविश्वास को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

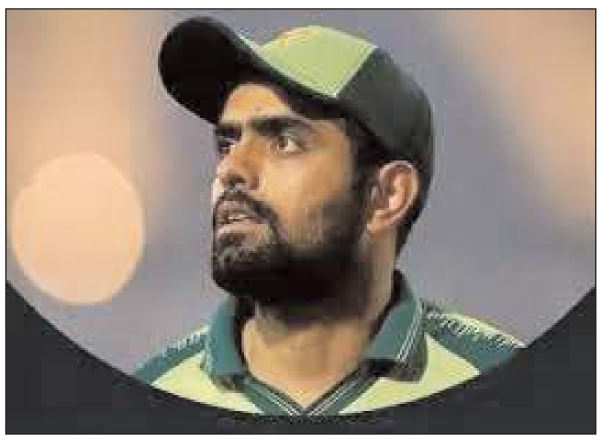

स्पिनरों ने शानदार शुरुआत की, और हारिस व शाहीन ने इसे आगे बढ़ाया। मैं अपने क्षेत्ररक्षण की सराहना करना चाहता हूं, जिसने हमें यहां तक पहुंचाया। मुझे लगा कि हमने 10 रन दिए हैं जो बहुत हैं।

लेकिन यह क्रिकेट है और ऐसा होता है। बाबर ने मैच जीतने वाली साझेदारी के लिए मलिक और आसिफ अली की भी प्रशंसा की। बल्लेबाजी करते समय, पहले विकेट थे और हमें एक साझेदारी की जरूरत थी।

मलिक ने अनुभव दिखाया और आसिफ अली ने भी योगदान दिया। हर मैच महत्वपूर्ण है। कोई आसान मैच नहीं है। हम इसे दिन-ब-दिन और खेल के हिसाब से खेलना चाहेंगे।

इस बीच, अपने सनसनीखेज गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच पाने वाले हारिस रऊफ ने कहा कि गेंदबाजी इकाई में प्रतिस्पर्धा है और वे एक दूसरे के पूरक भी हैं। उन्होंने कहा, गेंदबाजी इकाई में प्रतिस्पर्धा है, मैं, शाहीन और हसन अली दो साल से एक साथ खेल रहे हैं। हम एक-दूसरे से बात करते हैं, परिस्थितियों का आकलन करते हैं और हमें एक-दूसरे से आत्मविश्वास मिलता है।

रोड्रिग्स और मंधाना ने डब्ल्यूबीबीएल में अर्धशतक जमाये

होबार्ट (एजेंसी) । जेमिमा रोड्रिग्स की तूफानी नाबाद पारी भारतीय टीम की उनकी साथी स्मृति मंधाना के अर्धशतक पर भारी पड़ गयी जिससे उनकी टीम मेलबर्न रेनेगेड्स ने महिला बिग बैश लीग में बुधवार को यहां सिडनी थंडर पर नौ रन से जीत दर्ज की। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज 21 वर्षीय रोड्रिग्स ने 56 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से नाबाद 75 रन बनाये जिससे मेलबर्न ने पांच विकेट पर 142 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत करने वाली मंधाना ने सिडनी के लिये 44 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 64 रन बनाये लेकिन उनकी टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 133 रन ही बना पायी। इस मैच में दो अन्य भारतीयों टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्पिन आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी भाग लिया। इन दोनों ने एक एक विकेट लिया। हरमनप्रीत बल्लेबाजी में खास योगदान नहीं दे पायी। मेलबर्न की तरफ से खेल रही हरमनप्रीत ने केट पीटरसन की गेंद पर पगबाधा आउट होने से पहले केवल तीन रन बनाये।

मार्टिन गुप्टिल के पैर के अंगूठे में चोट लगी, भारत के खिलाफ खेलना संदिग्ध

शारजाह (एजेंसी) । अनुभवी सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल का भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले सुपर 12 मैच में खेलना संदिग्ध समझा जा रहा है क्योंकि टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान उनके पैर का अंगूठा चोटिल हो गया था। गुप्टिल के पैर के अंगूठे में हारिस रऊफ की गेंद लगी थी। पाकिस्तान ने मंगलवार की रात न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया था। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि मैच के बाद गुप्टिल सहज महसूस नहीं कर रहे थे जिन्होंने 20 गेंद में 17 रन बनाये थे। स्टीड ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''मैच के बाद गुप्टिल थोड़े असहज दिख रहे थे और अगले 24 से 48 घंटे निर्णायक होंगे। '' उन्होंने कहा, ''हम देखेंगे कि रात में उन्हें कितना आराम मिला। मैच समाप्त होने के बाद वह थोड़े परेशान दिख रहे थे और उनकी स्थिति कैसी रहती है, इसके लिये 24 से 48 घंटे लग सकते हैं। '' अगर भारत के खिलाफ मैच में गुप्टिल नहीं खेलते हैं तो यह न्यूजीलैंड की टीम के लिये करारा झटका होगा क्योंकि उनके तेज गेंदबाजी के अगुआ लॉकी फर्ग्यूसन पिंडली की मांसपेशियों की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले बाहर हो गये थे। न्यूजीलैंड ने फर्ग्यूसन की जगह एडम मिल्ने को शामिल किया था। पाकिस्तान की टीम सुपर 12 के ग्रुप दो के शुरूआती दो मैच जीतने के बाद अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है

और स्टीड का मानना है कि अगर न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई करना है तो भारत के खिलाफ रविवार को होने वाला मैच टीम के लिये काफी अहम होगा। कोच ने कहा, ''आप देखोगे कि पाकिस्तान अब हमारे ग्रुप में शीर्ष वरीय के रूप में प्रबल दावेदार है और बाकी हम सब अगले स्थान के लिये लड़ रहे हैं जिससे भारत के खिलाफ मैच काफी अहम हो जायेगा। अगर हम भारत को हरा देते हैं तो हम निश्चित रूप से खुद को पटरी पर लेकर आ जाएंगे। ''

ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलनः
वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच न खेलने पर एडम गिलक्रिस्ट ने क्विंटन डी कॉक का किया बचाव

सिडनी (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में मंगलवार को खेले गए वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के मैच में क्विंटन डी कॉक के न खेलने पर सवाल उठने लगे हैं।

इसे लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने डी कॉक का समर्थन करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ उनका न खेलना ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन का असमर्थन करना नहीं था। बता दें कि इस मैच से कुछ देर पहले ही डी कॉक ने अपने आपको अनुपलब्ध करार दिया था। फिर भी, दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को सुपर 12 में हुए मैच में 8 विकेट से हरा दिया था। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने एक बयान जारी करके कहा कि सभी खिलाड़ियों को ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के समर्थन में आने वाले टी20 वर्ल्ड कप के मैचों से पहले घुटने टेककर समर्थन देना होगा। हालांकि, डी कॉक के साथ कई खिलाड़ियों ने ऐसा नहीं किया, जिसके कारण उन पर सवाल उठने शुरू हो गए।

इस दौरान, खिलाड़ी या तो खड़े रहे या फिर मुट्ठी बांधकर हाथ ऊपर उठाते दिखाई दिए। अश्वेत लोगों के साथ हो रहे रंगभेद को दूर के करने के लिए ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन को टी20 वर्ल्ड कप में जोर शोर से चलाया जा रहा है, क्योंकि खेल ही लोगों को रंग, धर्म और भाषा के बिना एक दूसरे के साथ खेलने की प्रेरणा देता है।

पाकिस्तान ने सही भावना से खेला भविष्य में पीएसएल में खेलने पर विचार करूंगा: विलियमसन

शारजाह (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि पाकिस्तान ने मंगलवार को उनकी टीम के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप का सुपर 12 मैच सही भावना से खेला। ब्लैक कैप्स द्वारा सुरक्षा खतरों के कारण पिछले महीने पाक दौरे को छोड़ने के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि बाबर आजम की टीम कुछ आक्रमक रूख दिखा सकती है। कई पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर और कमेंटेटर न्यूजीलैंड के बारे में मुखर रहे हैं क्योंकि पिछले महीने रावलपिंडी में शुरूआती एकदिवसीय मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान के सीमित ओवरों के दौरे को रद्द कर दिया गया था। इसके बाद टी 20 विश्व कप के खेल को बदला मैच करार दिया जा रहा था। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तानी खिलाड़ी न्यूजीलैंड के क्रिकेटरों के प्रति आक्रामक थे, विलियमसन ने कहा, नहीं, वे सही भावना से खेले। मुझे विश्वास है, और एक महान भावना है। वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं, एक गौरवान्वित क्रिकेट राष्ट्र, और उन्होंने आज रात यह साबित कर दिया है। वे

इस टूर्नामेंट के पहले कुछ खेलों में उत्कृष्ट रहे हैं। मुझे यकीन है कि वे पूरे बैक एंड में भी बहुत, बहुत प्रतिस्पर्धी होंगे। उनकी उम्मीदें अधिक हैं, इसमें कोई संदेह नहीं करना चाहिए। सुरक्षा खतरे की धारणा के कारण दौरे को रद्द करने के बारे में बोलते हुए, विलियमसन, जिनकी टीम मंगलवार को कम स्कोर वाले खेल में पांच विकेट से हार गई, उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से पाकिस्तानी क्रिकेट प्रशंसकों और क्रिकेटरों के लिए एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण, निराशाजनक स्थिति थीय एक निर्णय जो खिलाड़ियों के नियंत्रण से बाहर था। यह पूछे जाने पर कि क्या मौका मिलने पर वह पाकिस्तान सुपर लीग में खेलेंगे, विलियमसन ने यह कहा कि श्रृंखला में पहले स्थान पर नहीं खेलना एक असली शर्म है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान लीग एक शानदार लीग है। कभी-कभी वह संघर्ष, मुझे लगता है, हमारे कुछ क्रिकेट के साथ घर वापस आ जाता है। इसलिए यह हमेशा कठिन होता है, लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में, आप अक्सर इन अन्य अवसरों को देखते हैं जब समय सही होता है, और वे हमेशा शानदार अनुभव होते हैं। मैंने अन्य खिलाड़ियों से बहुत अच्छी चीजें सुनी हैं जो वहां भी खेल चुके हैं। हाँ, मुझे लगता है, भविष्य में इस पर विचार करने के लिए कुछ है।

राउफ के तूफान में उड़ा न्यूजीलैंड, पाकिस्तान की लगातार दूसरी जीत

शारजाह (एजेंसी) । तेज गेंदबाज हारिस राउफ के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के ग्रुप दो मुकाबले में मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के 135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने आठ गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 135 रन बनाकर जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (33), अनुभवी शोएब मलिक (20 गेंद में नाबाद 26) और आसिफ अली (12 गेंद में नाबाद 27) ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

मलिक और आसिफ ने विषम परिस्थितियों में 3.5 ओवर में 48 रन की अटूट साझेदारी की। आसिफ ने अपनी पारी में एक चौके और तीन छक्के जबकि मलिक ने दो चौके और एक छक्का मारा। राउफ (22 रन देकर चार विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने न्यूजीलैंड की टीम आठ विकेट पर 134 रन ही बना सकी। स्पिनरों इमाद वसीम (24 रन पर एक विकेट) और मोहम्मद हफीज (16 रन पर एक विकेट) तथा तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी (21 रन पर एक विकेट) ने भी राउफ का अच्छा साथ निभाया।

न्यूजीलैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। सलामी बल्लेबाज डेरिल मिशेल और डेवोन कॉनवे 27-27 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि कप्तान केन विलियमसन ने 25 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का करने उतरे पाकिस्तान की शुरुआत धीमी रही। टीम ने पावर प्ले में 30 रन बनाए और इस दौरान कप्तान बाबर आजम (09) का विकेट गंवाया जिन्हें टिम साउथी ने बोल्ड किया। भारत के खिलाफ पहले मैच में नाबाद अर्धशतक जड़ने वाले रिजवान एक बार फिर अच्छी लय में दिखे। उन्होंने ट्रेंट बोल्ट (29 रन पर एक विकेट) पर दो चौके जड़ने के अलावा साउथी (25 रन पर एक

विकेट) की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। फखर जमां (11) को हालांकि बल्लेबाजी में परेशानी हो रही थी। उन्होंने ईश सोढ़ी (28 रन पर दो विकेट) पर छक्के के साथ दबाव कम करने का प्रयास किया लेकिन इसी लेग स्पिनर की गेंद पर पगबाधा हो गए। हफीज (11) ने पहली ही गेंद पर जेम्स नीशाम पर छक्के के साथ 10वें ओवर में टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया लेकिन बायें हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर (33 रन पर एक विकेट) के अगले ओवर में कॉनवे ने उनका शानदार कैच लपका। सोढ़ी ने इसके बाद रिजवान को पगबाधा करके पाकिस्ता का स्कोर चार विकेट पर 69 रन किया। बीच के ओवरों में पाकिस्तान के बल्लेबाजों को बाउंड्री लगाने के लिए जूझना पड़ा। इमाद वसीम (11) ने बोल्ट पर चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद पर पगबाधा हो गए। पाकिस्तान को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 44 रन की जरूरत थी। अनुभवी मलिक एक छोर पर डटे हुए थे। आसिफ अली ने साउथी पर लगातार दो छक्कों के साथ रन और गेंद के बीच के अंतर को कम किया। मलिक ने 18वें ओवर में सेंटनर पर चौका और फिर छक्के सहित 15 रन जुटाकर मैच पाकिस्तान के पक्ष में मोड़ दिया। टीम को अंतिम दो ओवर में नौ रन की जरूरत थी आसिफ ने बोल्ट पर छक्का और फिर दो रन के साथ टीम को जीत दिला दी। इससे पूर्व पाकिस्तान ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद मार्टिन गुप्टिल (17) और पहली बार किसी भी प्रारूप में पारी का आगाज कर रहे मिशेल (27) ने न्यूजीलैंड को सतर्क शुरुआत दिलाई। गुप्टिल ने बायें हाथ के स्पिनर इमाद वसीम के लगातार ओवरों में चौके मारे। मिशेल ने हसन अली का स्वागत छक्के के साथ किया लेकिन राउफ ने गुप्टिल को बोल्ड कर दिया। न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में एक विकेट पर 42 रन बनाए। मिशेल ने वसीम पर अपना दूसरा छक्का जड़ते हुए नौवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगली गेंद पर इसी शॉट को दोहराने की कोशिश में लांग आन पर फखर जमां को कैच दे बैठे। उन्होंने 20 गेंद का सामना करते हुए दो छक्के और एक चौका मारा। हफीज ने अगले ओवर में जेम्स नीशाम (01) को फखर के हाथों कैच कराके न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 56 रन किया। बीच के ओवरों में पाकिस्तानी गेंदबाजों के दबदबे के बीच विलियमसन ने हफीज की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़कर रन गति में इजाफे का प्रयास किया।

डेवोन कॉनवे ने भी लेग स्पिनर शादाब खान पर लगातार तीन चौके मारे। न्यूजीलैंड को अगले ओवर में बड़ा झटका लगा जब विलियमसन रन आउट हो गए। उन्होंने 26 गेंद की पारी में दो चौके और एक छक्का मारा। न्यूजीलैंड के 100 रन 15वें ओवर में पूरे हुए। राउफ ने गेंदबाजी में वापसी करते हुए कॉनवे (27) और ग्लेन फिलिप्स (13) को तीन गेंद के भीतर पवेलियन भेजकर न्यूजीलैंड की बड़े स्कोर तक पहुंचने की उम्मीदों को तोड़ा। कॉनवे ने 24 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके जड़े।

अभी भी खत्म नहीं हुआ सामंथा का गुस्सा

सामंथा रूथ प्रभु ने हाल में ही कुछ यूट्यूब चौनलों और एक व्यक्ति के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, लेकिन अभी भी अभिनेत्री का गुस्सा शांत नहीं हुआ है। वह तब तक आराम करने के मूड में नहीं हैं, जब तक चीजें दुरूस्त नहीं हो जातीं। जानकारी के अनुसार कुकटपल्ली अदालत ने सामंथा की उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की अपील को खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि इन लोगों और चौनलों ने उनकी छवि खराब करने की कोशिश की। अभिनेत्री चाहती थी कि उन्हें बदनाम करने वालों के खिलाफ कानूनी

कार्रवाई की जाए, लेकिन इसके उलट अभिनेत्री को ही उन लोगों से माफी मांगने को कहा गया है। अदालत ने हवाला दिया था कि मशहूर हस्तियां व्यक्तिगत विवरण साझा करती हैं और फिर मानहानि के मामले दर्ज करती हैं, जो सही बात नहीं है। अदालत के फैसले के खिलाफ सामंथा को अपने बचाव में अपने वकील को खड़ा करना पड़ा। बताया गया है कि सामंथा के वकील ने शिल्पा शेट्टी द्वारा दायर हालिया स्थायी निषेधाज्ञा मामले को अब समांथा के मामले के संदर्भ बिंदु के रूप में पेश किया है। अपने पति राज कुंद्रा को पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद शिल्पा शेट्टी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले में अदालत ने स्थायी निषेधाज्ञा आदेश पारित किया था। जिसमें मीडिया आउटलेट्स को उनके बारे में अपमानजनक रिपोर्ट करने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। सामंथा की कानूनी टीम ने संकेत दिया कि वह अपने मानहानि मामले में भी इसी तरह के फैसले के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकती है। अदालत ने अब सामंथा के मानहानि मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होगी। सामंथा के तलाक की घोषणा से सभी को एक झटका लगा था, जिसके बाद कई वेबसाइटों और यूट्यूब चौनलों ने उनके निजी जीवन के बारे में अटकलें लगानी शुरु कर दीं थी और अभिनेत्री के अपने सहयोगियों के साथ संबंध होने की अफवाहें फैलाई गई थीं।

सालों बाद रानी मुखर्जी के साथ फिर से थिरकते नजर आएंगे सैफ अली खान

आगामी फिल्म बंटी और बबली 2 में एक दशक से अधिक समय बाद अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ फिर से थिरकते नजर आएंगे अभिनेता सैफ अली खान। फिल्म के डांस नंबर टैटू वालिए में दोनों एक्टर की धमाकेदार जोड़ी नजर आने वाली है। सैफ ने कहा कि दशकों से हर ऑन-स्क्रीन जोड़ी के पास दर्शकों के लिए एक अनूठा कॉलिंग कार्ड रहा है। रानी और मेरे लिए, यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है और हम भाग्यशाली रहे हैं कि हमें चार्टबस्टिंग

गाने मिले। हम तुम में विशेष रूप से ब्लॉकबस्टर संगीत था। रानी और मुझे इस तरह के गाने को फिल्माने और उन पर डांस करने में बहुत मजा आता है। हम बंटी और बबली 2 में दर्शकों का पूरी तरह से मनोरंजन करने के उद्देश्य के साथ फिर से पर्दे पर वापस आ रहे हैं। हमें टैटू वाले जैसे चार्टबस्टर की जरूरत है और मुझे सालों बाद फिर से नृत्य करने की जरूरत है। यह एक मजेदार, पार्टी ट्रैक है,जो लोगों को डांस फ्लोर पर खींचेगा। रानी ने कहा कि उन्हें और सैफ को एक साथ गाना करने में बहुत मजा आया। टैटू वाले के बारे में बात करते हुए, रानी ने कहा कि यह ता रा रम पम्स अब टू फॉरएवर के बाद हमारा एक डॉस सॉन्ग है। इस बार यह बाकी सबसे थोड़ा अलग है क्योंकि इसमें सिद्धांत और शरवरी भी हैं लेकिन टैटू वाले बहुत अच्छा है इसलिए इसे शूट करने में बहुत मजा आया। बंटी और बबली 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी और डेब्यूटेंट शरवरी भी हैं। वरुण वी शर्मा द्वारा निर्देशित और यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित बंटी और बबली 2 19 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भीड़ में राजकुमार राव के साथ नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित अपकमिंग सोशल ड्रामा फिल्म भीड़ में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर राजकुमार राव के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। भूमि फिल्म बधाई दो में भी राजकुमार के साथ काम कर रही हैं। भूमि ने कहा कि अनुभव सिन्हा की फिल्म का हिस्सा बनना बहुत सम्मान और विशेषाधिकार की बात है। उनका मानना है कि फिल्मों में मानसिकता को बदलने की शक्ति होती है। कलाकारों के रूप में, ऐसी कहानियों को बताने की जिम्मेदारी हमारी है। फिल्म की शूटिंग लखनऊ में होगी। यह नवंबर तक फ्लोर पर जा सकती है। यूनिट अगले कुछ हफ्तों तक अपना प्री-प्रोडक्शन का काम करेगी। सिन्हा ने कहा कि भूमि इस प्रकृति की फिल्म के लिए एकदम सही विकल्प थी।

वह एक आश्वस्त अभिनेत्री है। इस चरित्र में यही गुण होना चाहिए। मैं भूमि और राजकुमार से बेहतर कलाकार नहीं चुन सकता था। ये ऐसे कलाकार हैं जो न केवल स्क्रीन पर हर बार चमकते हैं बल्कि स्क्रीन पर जादू पैदा कर देते हैं। सिन्हा ने कहा कि भूषण कुमार से बेहतर कोई ओर सहयोगी नहीं हो सकता था, जो हर कदम पर बेहद सहायक है। वह एक तरह के दूरदर्शी है जो सिनेमा की विविधता में विश्वास करते हैं और ऐसी कहानियां बताना पसंद करते है जो हिम्मत वाली हों । वहीं भूमि को लेकर भूषण कुमार ने कहा कि भूमि एक शानदार कलाकार है और इस भूमिका के लिए इससे बेहतर विकल्प नहीं हो सकता था। भीड़ भूषण कुमार की टी-सीरीज और अनुभव सिन्हा की बनारस मीडियावर्क्स द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित है। **(एजेंसी)**

जल्द रिलीज होगा सक्सेशन का सीजन 4

अमेरिकी व्यंग्यात्मक ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा टेलीविजन श्रृंखला सक्सेशन का सीजन 4 एचबीओ द्वारा निर्मित किया जा रहा है। जेसी आर्मस्ट्रांग द्वारा बनाए गए शो की रेटिंग 17 अक्टूबर को सीजन 3 के प्रीमियर के बाद से बढ़ गई है। वैराइटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार सीजन 3 के पहले एपिसोड ने उस रात एचबीओ के प्लेटफार्मों पर 1.4 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया। नेटवर्क के अनुसार, मई 2020 में एचबीओ मैक्स के लॉन्च होने के बाद से, यह किसी भी एचबीओ श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ प्रीमियर-नाइट रेटिंग थी। एचबीओ के अनुसार सक्सेशन के दूसरे सीजन के दर्शकों की संख्या औसतन 5 मिलियन थी। सक्सेशन के सीजन 2 ने सात एम्मी जीते थे, जिसमें उत्कृष्ट नाटक के लिए शीर्ष पुरस्कार भी शामिल है। सक्सेशन के सीजन 3 में, रॉय परिवार के सदस्य वेस्टार रॉयको पर नियंत्रण के लिए एक साजिश भरी लड़ाई करते हैं। **(एजेंसी)**

अनुपमा की काव्या ने ट्रांसपेरेंट टॉप में फ्लॉन्ट किया रेड बिकिनी

पानी में एक्ट्रेस के किलिंग अंदाज ने फैंस को किया दीवाना

स्टार प्लस चैनल पर आने वाला फेमस टीवी शो अनुपमा लगातार दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाता जा रहा। टीआरपी लिस्ट में भी ये शो टॉप पर चल रहा है। इस शो के हर किरदार की अपनी फैन फॉलोइंग बेह्द ही खास है। इस शो में काव्या का निगेटिव रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस मदालसा शर्मा की एक्टिंग को काफी पसंद किया जा रहा है। आपकी जानकरी के लिए बता दें कि मदालसा बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती की बहू हैं। मदालसा न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने हॉट अंदाज के लिए काफी चर्चा में रहती हैं। वह एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहती हैं। आए दिन मदालसा अपनी हॉट एंड बोल्ड फोटोज शेयर करती हैं। इसी बीच उनकी एक बेह्द ही सीजलिंग तस्वीर इंटरनेट पर आग की तरह वायरल हो रही है। इस फोटो को देखकर फैंस क्रेजी हो रहे हैं। मदालसा शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक बेह्द बोल्ड तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह समंदर के पानी में एक जलपरी की तरह लेटी नजर आ रही हैं। उन्होंने रेड कलर की बिकनी के ऊपर ब्लैक कलर के ट्रांसपेरेंट टॉप में वे कहर ढा रही हैं। वहीं पानी में लेटे हुए मदालसा ऑरेंज जूस का मजा ले रही हैं। इस तस्वीर में उनका पोज देने का किलिंग अंदाज फैंस को पागल बना रहा है। फोटो में वह फुल ऑन रिलेक्सिंग मूड में नजर आ रही हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए मदालसा ने कैप्शन में लिखा, वॉटर बेबी। इस तस्वीर को अबतक हजारों लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं इस पर कमेंट कर फैंस अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा का तीसरा गाना 28 अक्टूबर को रिलीज होगा

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की मुख्य भूमिकाओं के साथ, आगामी अखिल भारतीय फिल्म पुष्पा ने जोरदार प्रचार किया है। क्रिसमस के सीजन के दौरान इसकी रिलीज की तारीख तय होने के साथ, सुकुमार निर्देशित यह बहुत बड़ी हिट होने की उम्मीद है। टीम पुष्पा ने फिल्म का तीसरा गाना सामी सामी रिलीज करने की घोषणा की थी। गीत में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना हैं। हालांकि, इस गाने के लिए जारी किए गए पोस्टर ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। एक प्रोमो जारी किया गया था, जिससे

तीसरे गाने- सामी सामी की रिलीज के आसपास प्रचार को बढ़ावा देने की उम्मीद थी, जो नहीं हुआ। ऐसा लगता है कि गीत को औसत दर्जे का बनाया गया है, जो संगीत प्रेमियों का ध्यान खींचने में विफल रहा है। सामी सामी गाना 28 अक्टूबर को सुबह 11:07 बजे रिलीज होगा और इसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ग्रामीण गेटअप में नजर आएंगे। जैसा कि पुष्पा के निर्माताओं ने फिल्म के दो गाने पहले ही रिलीज कर दिए थे, गाने डको डको मेका और श्री वल्ली धूम मचाने में कामयाब रहे। यहां तक कि शुरुआती दौर में, जब प्रोमो जारी किया गया, तो इन गानों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। पुष्पा 17 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा में अल्लू अर्जुन, चंदन तस्करी करने वाले स्मगलर का किरदार निभा रहे हैं। **(एजेंसी)**

आयुष्मान: पॉजिटिव मैसेज के साथ लोगों का मनोरंजन करना चाहता हूं

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना के पास अभिषेक कपूर की चंडीगढ़ करे आशिकी, अनुभव सिन्हा की अनेक, अनुभूति कश्यप की डॉक्टर जी और एक्शन हीरो जैसी फिल्में हैं। वो कहते हैं कि एक कलाकार के तौर पर वह एक पॉजिटिव मैसेज के साथ लोगों का मनोरंजन करना चाहते हैं। आयुष्मान ने कहा, मेरे लिए कुछ मास्टर कहानीकारों के साथ सहयोग करना बेहद रोमांचक रहा है, जिनके पास दर्शकों को बताने और प्रेरित करने के लिए कुछ कहानियां हैं। मैं दर्शकों को अपनी अगली चार फिल्मों में कुछ अलग की उम्मीद करने के लिए कहना चाहता हूं। लगातार आठ नाटकीय हिट देने वाले अभिनेता ने कहा,

मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे अपनी शुरूआत के बाद से कुछ अच्छी स्क्रिप्ट मिली हैं और शक्तिशाली फिल्म निर्माताओं के अविश्वसनीय दृष्टिकोण का हिस्सा हूं जो समाज में बदलाव लाना चाहते हैं। इन फिल्मों के कहानीकारों के पास कुछ शानदार अवधारणाएं हैं जिन्हें लोगों ने पहले पर्दे पर नहीं देखा और यही बात उन्हें वास्तव में मेरे लिए खास बनाती है। 37 वर्षीय अभिनेता खुद को एक एंटरटेनर मानते हैं जो अपनी फिल्मों के जरिए समाज में पॉजिटिव मैसेज देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, एक कलाकार के रूप में आप केवल मनोरंजन करना चाहते हैं और मैं एक पॉजिटिव मैसेज के साथ लोगों का मनोरंजन करने में सक्षम होना चाहता हूं जो सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करेगा। **(एजेंसी)**

आर्यन खान वसूली मामला: मुंबई पुलिस ने दर्ज किया सैल का बयान

मुंबई के तट से एक क्रूज जहाज से मादक पदार्थ की बरामदगी के मामले में आरोपी आर्यन खान को छोड़ने के लिए स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के अधिकारियों पर लगे वसूली के आरोपों के संबंध में मुंबई पुलिस ने स्वतंत्र गवाह प्रभाकर सैल से आठ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ कर उसका बयान दर्ज किया।

एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सैल मंगलवार की शाम पुलिस के समक्ष पेश हुए थे और बुधवार को तड़के करीब तीन बजे तक उनका बयान दर्ज किया गया। बयान दर्ज कराने के बाद सैल आजाद मैदान स्थित सहायक पुलिस आयुक्त के कार्यालय से बुधवार की सुबह निकले। अधिकारी ने बताया कि उनके द्वारा किए गए खुलासों के मद्देनजर शहर की पुलिस ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई है। सैल के वकील तुषार खंडारे ने दावा किया था कि इस महीने की शुरुआत में मुंबई के तट पर एक क्रूज जहाज पर स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की छापेमारी के दौरान उनके मुवक्किल का ''गलत इस्तेमाल'' किया गया था। छापेमारी में कथित तौर पर मादक पदार्थ जब्त किए गए थे और मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस ने मंगलवार को कहा था कि उन्हें

चार आवेदन मिले हैं जिनमें एनसीबी की मुंबई क्षेत्रीय इकाई के निदेशक समीर वानखेड़े और अन्य अधिकारियों के खिलाफ जबरन वसूली के आरोप लगाए गए हैं तथा इन दावों की जांच के लिए छानबीन की जा रही है। इनमें से एक आवेदन मामले में स्वतंत्र गवाह प्रभाकर सैल का है, जिन्होंने आरोप लगाया है कि उन्होंने क्रूज जहाज छापेमारी मामले में के पी गोसावी और अन्य गवाहों को फोन पर किसी सैम डि'सूजा से बात करते सुना था। सैल के मुताबिक, बातचीत में 25 करोड़ रुपये की मांग का जिक्र था, जिसमें से आठ करोड़ रुपये समीर वानखेड़े को दिए जाने थे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच वानखेड़े मंगलवार को एनसीबी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने पहले कहा था कि वे सैल द्वारा किए सभी दावों की जांच करेंगे। उनके अनुसार, पुलिस के दल सैल के आवेदन में उल्लेखित मोबाइल फोन नंबरों के स्थानों के साथ-साथ विभिन्न जगहों के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रहे हैं जथा जांच के बाद ही उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी। **(एजेंसी)**

दंगल टीवी के मोस्ट पॉपुलर सीरियल रंजू की बेटियां में छठ पूजा के महत्वपूर्ण सीक्केंस की शूटिंग

मुम्बई ब्यूरो

दंगल टीवी के मोस्ट पॉपुलर धारावाहिक रंजू की बेटियां में छठ पूजा का महापर्व भी देखने को मिलने वाला है। दीवाली बाद मनाया जाने वाला पर्व छठ बेहद पावन त्योहार माना जाता है जो बड़ी श्रद्धा से मनाया जाता है। मुम्बई में इस शो के छठ पूजा का महत्वपूर्ण सीक्केंस जब शूट किया गया तो ऐसी लोकेशन का चुनाव किया गया जो यूपी बिहार के किसी घाट का एहसास कराता है। इस छठ पूजा के सीक्केंस के दौरान भी सीरियल रंजू की बेटियां में कुछ ड्रामा होने वाला है। इस सीन की शूटिंग के दौरान सीरियल के कलाकारों ने दिलचस्प बातें बताई। सीरियल में रंजू का रोल कर रही रीना कपूर ने बताया कि छठ पूजा का सीक्केंस शूट करना अमेजिंग अनुभव रहा। उस तरह के कॉस्ट्यूम, सिंदूर, औरतों का साथ मिलकर छठ गीत गाना यह सब एक अलग अनुभूति रही है। रंजू की बेटियां के इस सीन में भी ड्रामा तो होना ही है।

मामला कुछ यूं है कि 20 वर्षों में पहली बार गुड्डू मिश्रा ने रंजू मिश्रा को पत्नी के रूप में स्वीकार किया है। रंजू इस बात को एक्सेप्ट नहीं कर पाती है क्योंकि 20 वर्षों में बहुत कुछ हो चुका होता है, उसे किसी बात पे विश्वास नही है, उसे यह भी शक है कि कहीं गुड्डू फिर ललिता के पास न चले जाए। रंजू मानसिक रूप से अपने आप को इस बात के लिए तैयार कर लेती है कि उसे जिंदगी भर अकेले ही रहना है। मुझे अच्छा लग रहा है कि वह मुझे इतने वर्षों बाद पहली बार वाईफ का दर्जा दे रहे हैं। मेरे अंदर एक डर भी है कि यह सच है या कुछ और है। गुड्डू के अंदर एक पश्चाताप की भावना है कि बीस साल तक उन्होंने अपनी वाइफ को वह स्थान नहीं दिया, जिसकी वह हकदार थी। इसलिए वह इस छठ पूजा में यह संकल्प लेते हैं कि वह दंडवत प्रणाम करते करते घाट तक जाएंगे। अम्माँ जी खुश है कि उनके बेटे बहु की मैरेड लाइफ आगे बढ़ेगी। लेकिन ललिता को यह बात हजम नही होती कि गुड्डू का लगाव रंजू से क्यों बढ़ रहा है। इसलिए वह कुछ तो करेंगी, अब उसके लिए आपको हमारा यह स्पेशल एपिसोड देखना होगा। बुलबुल का रोल कर रही रूपल त्यागी ने बताया कि यह सीन रंजू की बेटियां का बेहद इम्पोर्टेन्ट सीन है।

यह धारावाहिक देखने वालों को यह तो पता चल ही गया है कि सीरियल का चाहे कितना भी खुशी वाला पल रहे ललिता कुछ न कुछ तो करती है, जिससे रंजू की बेटियां में ड्रामा क्रिएट हो जाता है। छठ पूजा महिलाओं के लिए बहुत ही अहम फेस्टिवल होता है। जिसे हम सब ग्रैंड लेवल पर मना रहे हैं। उसके बीच में ड्रामा न हो, ऐसा कैसे हो सकता है, हाई लेवल का ड्रामा होने वाला है। इस सीक्केंस में गुड्डू मिश्रा और उनकी बेटियों के बीच रिलेशनशिप डिवेलप होने वाली है। रंजू की बेटियां यह देखकर हैरान हैं कि उनके पापा इस तरह प्रायश्चित कर रहे हैं और दंडवत प्रणाम कर रहे हैं। क्या हम बेटियां उन्हें पापा के रूप में एक्सेप्ट करेंगे या नहीं, यह इस शो में देखना होगा। अय्यूब खान ने बताया कि गुड्डू मिश्रा ने अपनी आगे की जिंदगी बेहतर करने के लिए छठ पूजा के अवसर पर छठ व्रत दंडवत प्रणाम रखने का निर्णय लिया है। यह बहुत ही मुश्किल होता है जो रियल लाइफ में करते हैं उनके जज़्बे को मानना पड़ेगा। आपको बता दें कि छठ व्रत का दंडवत प्रणाम नियम बहुत ही मुश्किल माना जाता है जिसे बहुत ही कम लोग करते हैं। इसमें लोग घर से घाट तक दंडवत प्रणाम करते पहुंचते हैं। अय्यूब खान ने आगे बताया कि लोग मुझे आज गुड्डू मिश्रा के नाम से जानते पहचानते हैं तो यह दंगल टीवी, रंजू की बेटियां, रश्मि शर्मा टेलीफिल्म्स, राइटर्स का कमाल है। मेरे किरदार को लोग पसंद कर रहे हैं तो दीपशिखा और रीना कपूर का शुक्रिया। दोनों कमाल की परफॉर्मर्स हैं, उनके साथ काम करना अच्छा लगता है। रिएक्शन तभी सही अच्छा आता है जब एक्शन सही हो। शो रंजू की बेटियां में अय्यूब खान गुड्डू मिश्रा, दीपशिखा नागपाल ललिता, रीना कपूर रंजू, बुलबुल रूपल त्यागी, मोनिका चौहान शालू, नवीन पंडिता विशेष, उर्मिला शर्मा निर्मला, जयशंकर त्रिपाठी बच्चू पाण्डेय, अनुष्का श्रीवास्तव रौशनी और पंकज मिश्रा मामा का रोल कर रहे हैं। यह शो सोमवार से शुक्रवार रात 9:30 बजे सिर्फ दंगल टीवी पर देखा जा सकता है।